केवल मेडीकल व्यवसायियों के लिए

PHARMA दर्पण

Editor- Brijesh Garg www.medicaldarpan.com Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No.- BSR 52/2020-2022 RNI UPBIL/2011/50248

Year 12 | Issue 02 | D.O.P. 20 December 2022 | Pages 08 | ₹ 10/- Copy | 09045029158, medicaldarpan.ctp@gmail.com

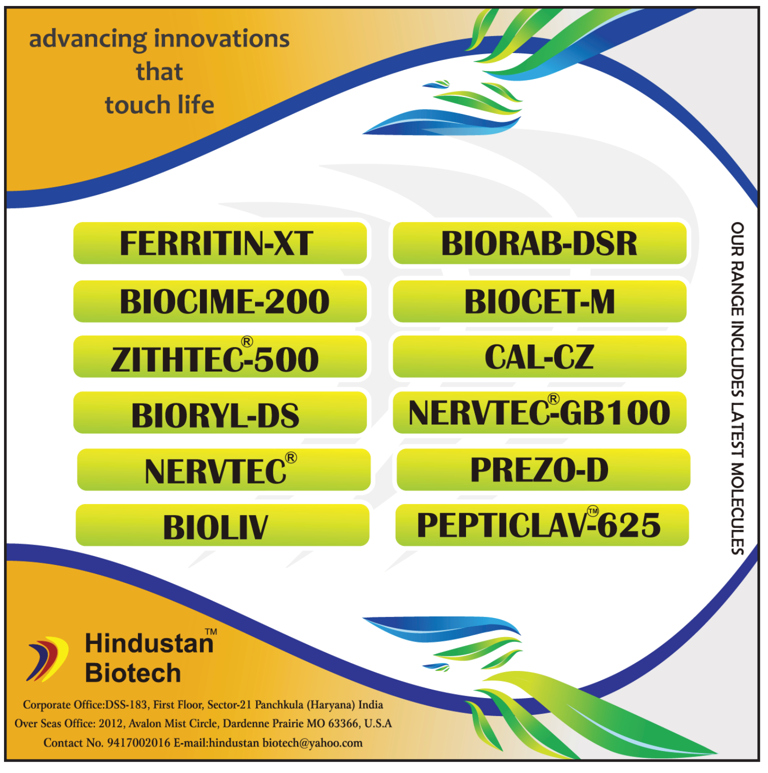

जीएसटी कमिश्नर जाँच करें

रिटेल एंड हॉलसेलर केमिस्ट एसोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल जीएसटी कमिश्नर एमपी सिंह से उनके कार्यालय में मिला. संगठन अध्यक्ष इंद्रपाल सिंह ने कहा कि शहर में बड़ी संख्या में चिकित्सकों ने अपने क्लीनिकों में या उसके सामने मेडिकल स्टोर खोले हुए हैं. चिकित्सक जो दवाएं लिखते हैं वे दवा सिर्फ उनके ही मेडिकल स्टोर पर मिलती हैं. अगर दवा की खरीद और विक्रय पर नजर डालें तो भारी अंतर मिलेगा. संगठन आगामी सोमवार से अभियान शुरू कर रहा है. पहले जीएसटी विभाग को ऐसे व्यापारियों को सूची दी जाएगी.संगठन पदाधिकारी ऐसे प्रतिष्ठानों पर जाकर प्रदर्शन करेंगे. जीएसटी और खाद्य सुरक्षा औषधि प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर जांच कराई जाएगी. प्रति. निधिमंडल में घनश्याम मित्तल, राजेश अग्रवाल, गगन गुप्ता, विकास मित्तल आदि रहे.

– राजेश अग्रवाल, मो॰ 9457818550, मेरठ

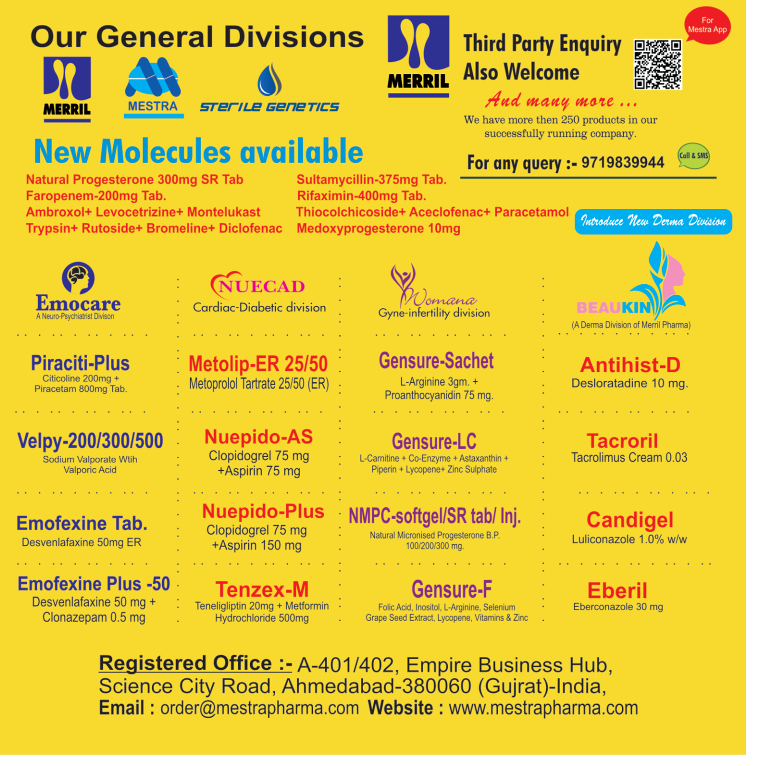

एंटीबायोटिक दवाओं से बढ़ता खतरा

प्राप्त समाचार के अनुसार एंटीबायोटिक दवाओं का ज्यादा इस्तेमाल खतरे का आगमन है नई–नई बीमारियां सामने आने के साथ ही दुनिया में एंटीबायोटिक दवाओं का इस्तेमाल भी धड़ल्ले से बढ़ गया है. भारत इस मामले में दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले काफी आगे है. यहां छोटी–छोटी बीमारियों के इलाज में एंटीबायोटिक के हैवी डोज का इस्तेमाल किया जा रहा है. ये दवाएं फौरी राहत तो देती हैं, लेकिन भविष्य में गंभीर बीमारियों का कारण भी बन रही हैं कोविड–19 के उपचार के दौरान रोगियों का एंटीबायोटिक दवाओं से इलाज किया गया इसके फायदे से ज्यादा नुकसान देखे गए. बीते साल 17,534 कोविड–19 पर आईसीएमआर द्वारा तैयार की गई एक रिपोर्ट के अनुसार आधे से अधिक ऐसे लोगों की मृत्यु हो गई जिन्होंने दवा प्रतिरोधी संक्रमण था. जिन एंटीबोयोटिक दवाओं का इस्तेमाल केवल बहुत गम्भीर बीमारी के लिये किया जाना चाहिये भारत में उनके इस्तेमाल या इस्तेमाल के सुझाव 75 प्रतिशत है. – आशीष बह्मभट्ट, मो॰ 9897811055, आगरा.

एसआरएल डायग्नोस्टिक्स ने पंचकुला में अत्याधुनिक प्रयोगशाला का शुभारंभ किया

एसआरएल डायग्नोस्टिक्स, ने पंचकुला, हरियाणा में एक नई प्रयोगशाला के शुभारंभ की घोषणा की। अत्याधुनिक प्रयोगशाला में एक महीने में 20,000+ परीक्षण करने की क्षमता है, जिसमें साधारण नियमित परीक्षण से लेकर अर्ध–विशिष्ट और विशेष परीक्षण शामिल हैं । गुणवत्तापूर्ण डायग्नोस्टिक सेवाओं की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, एसआरएल ने हरियाणा में अतिरिक्त प्रयोगशाला शुरू करके अपनी क्षमताओं का विस्तार किया है। पंचकुला के नागरिक अब एसआरएल के व्यापक टेस्ट मेन्यू तक पहुंच पाएंगे, जिसमें 3500+ टेस्ट और अच्छी तरह से तैयार किए गए निवारक स्वास्थ्य देखभाल पैकेज शामिल हैं। प्रयोगशाला पंचकुला के साथ–साथ उप जिलों बरवाला, पिंजौर, कालका और रायपुर रानी में आबादी को पूरा करेगी। एसआरएल डायग्नोस्टिक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आनंद के ने कहा, एसआरएल डायग्नोस्टिक्स को हरियाणा और चंडीगढ़ दोनों में एक मजबूत ब्रांड रिकॉल प्राप्त है। पंचकूला में यह अतिरिक्त प्रयोगशाला होम विजिट सेवाओं के साथ हमें बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करने और हमारे स्थानीय ग्राहकों के लिए सर्वोत्तम टर्नअराउंड समय प्रदान करने में सक्षम बनाएगी। महामारी ने प्रारंभिक निदान, रोग प्रबंधन और समग्र अच्छे स्वास्थ्य के रखरखाव के लिए सटीक प्रयोगशाला अंतर्दृष्टि के महत्व पर प्रकाश डाला है। हम पंचकूला और हरियाणा के नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाले परीक्षण और रिपोर्ट प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

For Advertisement in:

Medical Darpan, Pharma News, Pharma Darpan

News Paper Please Call:-

09410434811, 09219176673, 09758502423

09319980483, 09219444474, 08394863910

www.medicaldarpan.com

P.M.S.A. U.P. की लखनऊ कार्यकारिणी

President : Dr. Sachin Vaish, Joint Director, Swasthya Bhawan Lucknow (U.P.), Mob:- 9415025514, General Secretary : Dr. Amit Singh, Epidemiologist, R.H.F.W.T.C, Indira Nagar, Lucknow, Mob:- 9450966181 Vice President (H.Q.): Dr. Vikasendu Agarwal, Mob.: 9219793100, Distt.- Lucknow, Vice President (Lady) : Dr. Deepa Tyagi, Mob.: 9456078958, Distt- Ghaziabad, Vice President (General) : Dr. Bhavtosh Shakhdhar, Mob.: 9456078958, Distt.- Moradabad, Dr. Munendra Singh, Mob.: 9412164143, Distt- Mathura, Dr. Vinay Kr. Singh Yadav, Mob.: 9415648771, Distt- Azamgarh, Additional General Secretary : Dr. Anil Kumar Tripathi, Mob.: 94156468641, Distt- Lucknow, Finance Secretary : Dr. Mohit Singh, Mob.: 9838488887, Distt.- Barabanki, Editor : Dr. Ashutosh Kumar Dubey, Mob.: 9415117798, Distt- Lucknow.

- Nitika Agarwal, M.: 8958107461.

डॉ रणदीप गुलेरिया मेदांता में आंतरिक चिकित्सा और श्वसन और नींद चिकित्सा संस्थान के अध्यक्ष और निदेशक-चिकित्सा शिक्षा के रूप में शामिल हुए

मेदांता ने एम्स-दिल्ली के पूर्व निदेशक, डॉ रणदीप गुलेरिया को आंतरिक चिकित्सा और श्वसन और नींद चिकित्सा संस्थान का अध्यक्ष और चिकित्सा शिक्षा निदे.शक नियुक्त किया है। उन्हें फेफड़े के कैंसर, अस्थमा, सीओपीडी, श्वसन मांसपेशियों के कार्यों और नींद संबंधी विकारों के क्षेत्र में अपने अग्रणी काम के लिए जाना जाता है। प्रतिष्ठित पुरस्कार पद्म श्री और डॉ बीसी रॉय पुरस्कार के प्राप्तकर्ता, डॉ गुलेरिया अपने विशाल अनुभव और भारत के COVID प्रतिक्रिया प्रयास में असाधारण योगदान के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हैं. मेदांता के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. नरेश त्रेहान ने कहा, "डॉ. रणदीप गुलेरिया जैसे वरिष्ठ डॉक्टर की नियुक्ति हमारी अत्यधिक कुशल और सम्मानित क्लिनिकल फैकल्टी की टीम का विस्तार करके हमेशा उच्चतम स्तर की क्लिनिकल देखभाल प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है." डॉ. गुलेरिया ने 2011 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), नई दिल्ली में पल्मोनरी मेडिसिन और स्लीप डिसऑर्डर का एक समर्पित विभाग स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह इसके सदस्य के रूप में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) से भी जुड़े हुए हैं। टीकाकरण और इन्फ्लूएंजा टीकाकरण पर विशेषज्ञों का वैज्ञानिक सलाहकार समूह (SAGE) और जामा जैसे कई चिकित्सा पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड का हिस्सा है: **द जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (इंडिया), इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज, लंग इंडिया और चेस्ट इंडिया.**

गठिया की दवा के पहले चरण का अध्ययन पूरा किया

डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड, मो॰ 09058458612, 09368696718 ने कहा कि उसने वयस्कों में रूमेटाइड आर्थराइटिस के इलाज में इस्तेमाल होने वाले टोसिलिजुमैब के प्रस्तावित बायोसिमिलर के पहले चरण का अध्ययन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने एक रेग्युलेटरी फाइलिंग में कहा कि कंपनी के टोसिलिजुमाब बायोसिमिलर उम्मीदवार 'DRL;TC' ने पहले चरण के अध्ययन में अपने प्राथमिक और द्वितीयक समापन बिंदु को सफलतापूर्वक पूरा किया. इस चरण प्रथम के अध्ययन में संदर्भ उत्पादों की तुलना में कंपनी के टोसिलिजुमाब बायोसिमिलर उम्मीदवार के फार्माकोकाइनेटिक समकक्षता, सुरक्षा और प्रतिरक्षण क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए एक उपचर्म सूत्रीकरण का उपयोग किया गया था. कंपनी ने कहा, "इस अध्ययन का सफल परिणाम दुनिया भर के स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और मरीजों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बायोसिमिलर उत्पादों को अधिक सुलभ और किफायती बनाने की डॉ रेड्डी की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर दर्शाता है." डॉ. रेड्डीज प्रस्तावित टोसीलिजुमाब बायोसिमिलर को चमड़े के नीचे और अंत:शिरा दोनों रूपों में विकसित कर रहा है. डॉ रेड्डीज ग्लोबल हेड ऑफ बायोलॉजिक्स जयंत श्रीधर ने कहा, "टोसिलिजुमाब एक महत्वपूर्ण एंटी-रूमेटिक एजेंट है, जिसका रुमेटीइड गठिया और अन्य बीमारियों के रोगियों के इलाज में एक अनूठा स्थान है." कंपनी ने आगे कहा कि वह 'DRL;TC' की प्रभावकारिता, सुरक्षा, सहनशीलता और प्रतिरक्षण क्षमता की तुलना मध्यम से गंभीर सक्रिय रूमेटाइड गठिया वाले रोगियों में संदर्भ उत्पाद के साथ करने के लिए एक वैश्विक चरण तृतीया अध्ययन शुरू कर रही है.

फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल की बैठक संपन्न

प्राप्त जानकारी के अनुसार फर्रुखाबाद में पक्का पुल स्थित सिंधी धर्मशाला में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल की बैठक जिला अध्यक्ष मनोज मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जीएसटी सलाहकार अधिवक्ता राम जी वाजपेई ने पहुंचकर व्यापारियों से सर्वे की जानकारी ली बैठक में दुर्घटना बीमा की तरह व्यापारियों को स्वस्थ्य बीमा 10 लाख रुपये दिया जाए. व्यापारियों को जीएसटी सर्वे के नाम पर उत्पीड़न रोका जाए, अगर शोषण हुआ तो व्यापारी बर्दाश्त नहीं करेंगे साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारी मानक की जानकारी व्यापारियों को दें और कार्यशाला लगाकर लाइसेंस बनाया जाएगा. इस मौके पर व्यापारी अनूप गुप्ता, अशोक यादव, संजीव दीक्षित, मशकूर अंसारी, चंद्र प्रकाश दीक्षित, दीपक गजरानी, अतुल सैनी, संजीव वर्मा, शरद गुप्ता, संजीव वर्मा, धीरेंद्र तिवारी, सरल वर्मा, प्रमोद वाजपेयी, महेश शाह, विजय वर्मा, विशाल रस्तोगी, राजकुमार राठौर, विमल गुप्ता, अरविंद दीक्षित, धर्मेंद्र, प्रशांत मिश्रा, विशाल आदि दर्जनों व्यापारी मौजूद रहे.

– **मनोज मिश्रा, फर्रुखाबाद, मो॰ 9919247731.**

ल्यूपिन को यूएसएफडीए की मंजूरी मिली

फार्मास्युटिकल्स फर्म **ल्यूपिन लिमिटेड, मो॰ 8285412651, 9219177868** ने कहा कि उसे आंशिक शुरुआती दौरों के नियंत्रण के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ब्रिवरासेटम गोलियों के सामान्य संस्करण के लिए अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक से मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (यूएसएफडीए) की मंजूरी 10 मिलीग्राम, 25 मिलीग्राम, 50 मिलीग्राम, 75 मिलीग्राम और 100 मिलीग्राम की ताकत वाली ब्रिवरासेटम गोलियों के लिए है। यह यूसीबी इंक के ब्रिविएक्ट टैबलेट, 10 मिलीग्राम, 25 मिलीग्राम, 50 मिलीग्राम, 75 मिलीग्राम और 100 मिलीग्राम के सामान्य समकक्ष हैं। उत्पाद का निर्माण ल्यूपिन के नागपुर स्थित संयंत्र में किया जाएगा। कंपनी ने IQVIA MAT सितंबर 2022 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि Brivaracetam टैबलेट ने अमेरिका में 420 मिलियन अमरीकी डालर की वार्षिक बिक्री का अनुमान लगाया था।

फ्री सैंपल देना फार्मा कंपनी के लिए बिजनेस डिडक्शन हो सकता है

मुंबई: आयकर अपीलीय ट्रिब्यूनल (आईटीएटी) की मुंबई पीठ ने डॉक्टरों को फार्मा उत्पादों के मुफ्त नमूनों की आपूर्ति को अन्य मुफ्त उपहारों से अलग किया है, जैसे सम्मेलन जो आम तौर पर विदेशी स्थानों पर आयोजित किए जाते हैं। टैक्स ट्रिब्यूनल ने माना है कि उत्पादों के मुफ्त नमूनों की आपूर्ति के लिए किए गए खर्च सीधे व्यापार प्रचार से संबंधित हैं और उन्हें फार्मा कंपनी के हाथों व्यापार कटौती के रूप में अनुमति दी जानी चाहिए। वित्त अधिनियम 2022 ने आयकर (आईटी) अधिनियम की धारा 37(1) के प्रावधानों में संशोधन किया, जो व्यापार व्यय की कटौती से संबंधित है। इसका एक उद्देश्य डॉक्टरों को मुफ्त उपहार देने की प्रथा में खामियों को दूर करना था, जो अनिवार्य रूप से जुड़े हुए होते हैं। व्याख्यात्मक ज्ञापन में कहा गया था कि भारतीय चिकित्सा परिषद (व्यावसायिक आचरण, शिष्टाचार और नैतिकता) विनियम, 2002 का उल्लंघन करने वाले लाभ प्रदान करने में किए गए किसी भी खर्च का दावा कटौती के रूप में अस्वीकार्य होगा क्योंकि यह कानून द्वारा निषिद्ध व्यय है। यदि किए गए व्यय को अस्वीकार कर दिया जाता है, तो यह कंपनी के कर योग्य लाभ को बढ़ा देता है और इसके परिणामस्वरूप उच्च कर व्यय होता है। सुप्रीम कोर्टएपेक्स लैब्स के मामले में, फार्मा कंपनी के हाथों मुफ्त उपहारों की लागत को भी अस्वीकार कर दिया था। इस मामले में जिसे आईटीएटी ने सुना था मर्क लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2010-11 के दौरान डॉक्टरों को अपने फार्मा उत्पादों के मुफ्त नमूनों की आपूर्ति के लिये तीन करोड़ रूपये खर्च किये थे। एकाउटेंट सदस्य प्रशान्त महर्षि और न्यायिक सदस्य संदीप सिंह करहेल से बनी आईटीएटी बेच ने या फार्मास्यूटिकल्स विभाग द्वारा नीचे इसके अलावा इन नमूनों को स्पष्ट रूप से "बिक्री के लिये नहीं" के रूप में चिन्हित किया गया है। हालाकि विभिन्न सम्मेलनों पर कम्पनी द्वारा किये गए लगभग 63 लाख रूपये के खर्चे के सम्बन्ध में आईटीएटी ने कहा कि यह सर्वोच्च न्यायालय के आदेश द्वारा कवर किया गया है।और मर्क लिमिटेड के हाथों खर्च की अनुमति नहीं दी जायेगी।

संचारी रोगों की निगरानी

संचारी रोग की निगरानी बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों ने एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच (आईएचआईपी) के तहत जिले के लगभग 100 निजी अस्पतालों को जोड़ा है। अधिकारियों ने लगभग दो सप्ताह पहले उन अस्पतालों के अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था ताकि उन्हें IHIP पोर्टल और बीमारी के बारे में अध्यन करने के लिए इसके शासनादेश के बारे में सूचित, शिक्षित और विस्तृत किया जा सके। सरकार अपनी स्थापना के माध्यम से केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं तक चलने वाले मरीजों के विवरण को कवर कर सकती है। जिले और राज्य में बीमारियों की व्यापकता जानने के लिए निगरानी बढ़ाने के लिए रोपिंग किया जाता है। आईडीएसपी, जिला नोडल, डॉ अमित मालाकार ने टीओआई को बताया, संचारी रोग की निगरानी बढ़ाने के लिए जिले में IHIP पोर्टल के साथ उन्हें एकीकृत करने के लिए आयोजित किया जाता है। डॉ. मालाकार ने कहा, "संभागीय मुख्यालयों में निजी अस्पतालों के साथ आईडीएसपी विंग्स के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे राज्य में आयोजित किया जाता है, जिसमें तृतीयक देखभाल केंद्र हैं।"
डॉ मालाकार ने कहा, "इससे निगरानी तंत्र में सुधार होगा और बीमारियों को बेहतर तरीके से जानने में मदद मिलेगी।"

शरद ऋतु में वात रोगों में लाभकारी

'मेथी के लड्डू'
सर्दियों मे मेथी के लड्डू खाने चाहिए ये बहुत फायदेमंद है
'सर्दियों में अक्सर कमर दर्द , घुटने दर्द Joints Pain की Problem रहती हैं'
अगर आप रोज सुबह दुध के साथ एक लड्डू लेंगे तो आप जोड़ों के दर्द, कमर के दर्द, सर्दी से होने वाले दर्द से दूर रहेंगे

'सामग्री'
मेथी दाना - 50 ग्राम
गेहूं का आटा - 250 ग्राम
घी 250 ग्राम
बारिक गोंद
बादाम 200gm
काली मिर्च
सोंठ पाउडर
इलायची पाउडर
चीनी या गुड़ - 250 ग्राम

'विधि'
मेथी को अच्छी तरह साफ कपड़े से पोंछ लें साफ की हुई मेथी को मिक्सर में आटे जैसी पीस लीजिये.
पिसी हुई मेथी को घी में डालकर तीन चार घंटे के लिये भिगो दीजिये.ताकि मैथी की, रुकड़वाहट चली जाती हैं
आप मैथी को दूध में भी भिगो सकते हैं लेकिन दुध में चार पांच घण्टे भिगोने के बाद मैथी को पहले अलग से पहले अच्छे से सेकना पड़ेगा ताकि मैथी में गीलापन नही रहे लड्डू खराब होने का डर रहता है इसलिए मैंने मैथी को घी में ही भिगोया है
बादाम को भी मिक्सी में बारीक पिस लीजिये.
अब कढाई में घी डालकर मीडियम आंच पर आटा सेकना है
साथ में बारीक गोंद भी मिक्स कर ले ताकि आटे के साथ साथ गोंद भी हो जायेंगे
अब आटे को हल्का ब्राउन होने तक भून ले
अब इसमें घी में भीगी हुई मैथी पाउडर ,पिसी हुई कालीमिर्च पाउडर, सोंठ पावडर और बारिक की हुई बादाम, थोड़ी सी केसर मिक्स कर लें और 10 से 15 मिनट वापस सेक लें
जब अच्छा सिक जाए इसमें बारिक किया हुआ गुड़ अच्छी तरह से मिक्स कर दे और अच्छी तरह से हिला दे
अब गैस बन्द कर दे और इसमें पिसी हुई इलायची मिक्स कर दे
अब इसके गोल गोल लड्डू बना दे
अब लड्डू को एअर टाइट डिब्बे में भरकर रख लीजिये और रोजाना सुबह या शाम गरम दूध के साथ एक मेथी का लड्डू खाइये और घुटने के दर्द, कमर के दर्द, सर्दी से होने वाले दर्द से बचे रहिये.
मेथी के लड्डू आप देशी शक्कर से भी बना सकते हैं लेकिन सर्दी में गुड ज्यादा फायदा करता है इसलिए मैंने गुड़ में बनाए
गोंद के फूले अलग से नही करे अलग से करने से बराबर फूले नहीं होते हैं कभी कोई कंता हो जाता है कभी कोई गोंद कच्चा रह जाता है.
आटे के साथ करने से सब एकदम बराबर हो जाते है.
अब लड्डू तैयार है, रोज सुबह नाश्ते में लड्डू खाइए और खिलाइए.

– **डा॰ ए॰एम॰ मिश्रा जी, गोरखपुर, मो॰ 9415037450.**

व्यंग्य

एक महिला ने ट्रैफिक सिग्नल तोड़ दिया!
पुलिस वाला-रुको...
महिला-मुझे जाने दो, मैं एक टीचर हूँ.
पुलिस वाला बोला अहा,
इस दिन के इंतजार में तो मैं कई सालों से था.
चलो अब 100 बार लिखों...
मैं कभी ट्रैफिक सिग्नल नहीं तोडूंगी.

4 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक, बुलन्दशहर के जो कि फार्मा दर्पण खाता संख्या 1824002100118703, IFSC Code - PUNB0182400 Branch- Deputy Ganj के नाम से है, में रू॰ 500/- जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं॰- 09045029158 पर भेज दें.

बंद होते रिटेल मैडीकल स्टोरर्स

शहर में रिटेल ड्रग स्टोर्स कारोबार तेजी से मंदी की चपेट में जा रहा है। कोरोना काल में शहर में रिटेल ड्रग स्टोर्स में 7 फीसदी का इजाफा हुआ था। राज्य के कई जिलों में तो केमिस्ट और मेडिकल दुकानों में 15 फीसदी की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई थी। लेकिन अब आलम यह है कि जितनी तेजी से नये रिटेल ड्रग स्टोर खुल रहे थे, उससे कहीं ज्यादा रफ्तार से इनके शटर अब डाउन हो रहे हैं।

दरअसल कोरोना महामारी के दौर में दवाईयों की डिमांड में बेतहाशा तेजी आ गई थी। मेडिकल स्टोर के बाहर ग्राहकों की लंबी कतारें देखी जा सकती थीं। इस मौके को भुनाने के लिहाज से भी कई नये रिटेल ड्रग स्टोर खुलने लगे थे। यह वह दौर था जब लोग अचानक स्वास्थ्य को लेकर अत्याधिक चिंतित हो चले थे और आवश्यक दवाईयों, इम्युनिटी बूस्टर्स और सप्लीमेंट्स की भारी मांग हो चली थी। लेकिन बीतते वक्त के साथ कोरोना का दौर लगभग समाप्त हो चुका है और अब मेडिकल स्टोर्स ग्राहकों के लिये तरसने लगे हैं। रिटेल दवा कारोबारियों के सामने अब अपनी कारोबार को टिकाये, बचाये रखने की भारी चुनौती है। मुनाफा लगातार गोते खा रहा है और खर्च अपनी जगह बरकरार हैं। नतीजा यह है कि रिटेल मेडिकल कारोबारियों ने अपने लाइसेंस सरेंडर करने शुरू कर दिये हैं और इन मेडिकल स्टोर्स पर अब ताले लटकने की शुरूआत हो चुकी है। अकेले पुणे में ही 100 ऐसे मेडिकल स्टोर्स बंद हो चुके हैं। रही सही कसरऑनलाइन दवा कारोबार से मुकाबले ने पूरी कर दी है। पहले से ही, ऑनलाइन दवा कंपनियों ने रिटेल मेडिकल स्टोर्स का कारोबार चौपट कर रखा है।

ऑनलाइन दवा कंपनियां दवाओं की होम डिलीवरी करती है और ग्राहकों को 15 प्रतिशत तक की छूट भी देती हैं। यहां तक कि कई ऑनलाइन कंपनियों ने ग्राहकों को लुभाने के लिये सोधे 25 प्रतिशत की छूट देना शुरू कर दिया है। रिटेल दवा कारोबारी औसतन 22 प्रतिशत के मुनाफे के मार्जिन पर कारोबारी करते हैं। ऐसे में उनके लिये इस तरह की छूट देना भी मुमकिन नहीं है और यही वजह है कि रिटेल ड्रग स्टोर, ऑनलाइन दवा कंपनियों के साथ इस कारोबारी मुकाबले में लगातार पिछड़ते जा रहे हैं। रिटेल मेडिकल स्टोर्स को अपने यहां एक फार्मासिस्ट की नियुक्ति करना अनिवार्य है जिसकी तनख्वाह के तौर पर हो करीब 25 हजार रुपये तक खर्च करने पड़ते हैं। इसके अलावा अन्य कारोबारी खर्चे अपनी जगह हैं हो। खर्चा में एक तरफ तो बढ़ोत्तरी हो रही है, वहीं दूसरी तरफ कमाई का ग्राफ कोरोना के बाद बेहद तेजी से नीचे गिरता जा रहा है। ऐसे में कारोबारियों को कारोबार समेटने के अलावा कोई विकल्प नजर नहीं आ रहा है। खास तौर पर उन नये-नवेले कारोबारियों को ज्यादा दिकत आ रही है जो महामारी के माहौल का फायदा उठाने की मंशा से रिटेल कारोबार में उतर गये थे। सालों पुराने केमिस्टों का ग्राहकों का अपना एक आधार है जिसके बूते ये किसी तरह फिलहाल हालात को संभालने की कोशिश कर रहे हैं। रिटेलर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स केमिस्ट एसोसिएशन (आरडीसीए) के अध्यक्ष प्रसाद दानवे के मुताबिक, दहिसर के उनके इलाके में हाल ही में तीन मेडिकल स्टोर्स बंद हो चुके हैं। यही हाल मुंबई समेत राज्य के पुणे, नागपुर जैसे शहरों में है। सिर्फ दहिसर में उनके इलाके में ही 150 से ज्यादा मेडिकल स्टोर्स हैं। महामारी के दौरान लोगों ने मेडिकल स्टोर्स खोलना शुरू कर दिया। मौके को भुनाने के चक्कर में कारोबारियों ने इस बात का ख्याल ही नहीं किया कि महामारी के दौरान दवाईयों के प्रेस्क्रिप्शन देने के लिये उनके इलाकों में डॉक्टर्स ही उपलब्ध नहीं थे। दानवे के मुताबिक, मुंबई, पुणे और नागपुर में मेडिकल स्टोर्स के लिये मुश्किल वक्त चल रहा है। ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में मेडिकल स्टोर्स तेजी से बंद हो रहे हैं। ऑनलाइन दवा कंपनियों की बढ़ती पैठ के चलते आने वाला समय और ज्यादा मुश्किलें पेश कर सकता है।

– सुभाष गौड़,
मो॰ 9568759677.

Bangalore Based Biopharm Group Requires

Manufacturing chemist for Cosmetics & IV fluids. Candidates willing to shift to Bangalore / Mysore (for IV fluid s) may apply. Candidates willing to give consultancy also may share details on mail or contact.

Mail your resumes to
biopharmgrp@gmail.com
Call Mr. Abhay: 9741960810

मुंबई में खसरे का प्रकोपः बच्चे की मौत; इस साल अब तक 126 बच्चे इस बीमारी से संक्रमित हो चुके हैं

नई दिल्लीः- शहर में वायरल संक्रमण के प्रकोप के बीच मुंबई में खसरे से एक साल के बच्चे की मौत हो गई है, जहाँ इस साल अब तक 126 बच्चे इस बीमारी की चपेट में आ चुके हैं, निगम अधिकारियों ने कहा. बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि नल बाजार इलाके के रहने वाले इस लड़के का पिछले हफ्ते चिंचपोकली में बृहन्मुंबई नगर निगम द्वारा संचालित कस्तूरबा अस्पताल में इलाज चल रहा था और उसकी मौत हो गई. डॉक्टरों के अनुसार, बच्चे की मौत का कारण "सेप्टिसीमिया विद एक्यूट रीनल फेल्योर विद मीजल्स ब्रोन्कोपमोनिया" था. मुंबई के कुछ हिस्सों में खसरे का प्रकोप देखा गया है.. निकाय के बुलेटिन के अनुसार सितंबर से अब तक कम से कम 99 बच्चे और इस साल जनवरी से 126 बच्चे इस वायरल बीमारी से संक्रमित पाए गए हैं. बीएमसी ने खसरे से संक्रमित बच्चों के इलाज के लिए कस्तूरबा अस्पताल में एक विशेष वार्ड बनाया है. इसके बुलेटिन के अनुसार, 4 नवंबर से 14 नवंबर के बीच खसरे जैसे लक्षणों वाले 61 बच्चों को कस्तूरबा अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

इनमें से 12 बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था. नगर निगम के अधिकारियों ने माता-पिता से 9-16 आयु वर्ग के बच्चों को बीमारी के खिलाफ टीका लगाने की अपील की है. बीएमसी की एक विज्ञप्ति में पहले कहा गया था, "खसरे में, बच्चे को बुखार, सर्दी, खांसी और शरीर पर लाल चकत्ते हो जाते हैं. इस बीमारी की जटिलता उन बच्चों में गंभीर हो सकती है, जिन्हें आंशिक रूप से टीका लगाया गया है या नहीं." केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय पिछले सप्ताह कहा कि इसने शहर में खसरे के मामलों में वृद्धि का जायजा लेने के लिए मुंबई में एक उच्च-स्तरीय बहु-विषयक टीम की प्रतिनियुक्ति की है. यह टीम सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों को स्थापित करने और अपेक्षित नियंत्रण और रोकथाम उपायों के संचालन की सुविधा प्रदान करने में राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों की सहायता करेगी.

एक्सप्लोर लाइफस्टाइल ने एयरोफिट एक्टिव लॉन्च किया,

रेस्पिरेटरी ट्रेनिंग डिवाइस, ऐरोफिट प्रो, एक्सप्लोर लाइफस्टाइल, अग्रणी फ्यूचरिस्टिक मेडटेक सॉल्यूशंस प्रदाता, एयरोफिट प्रो को लॉन्च करने के तुरंत बाद, अपने प्रतिष्ठित पूर्ववर्ती का एक हल्का संस्करण, एयरोफिट एक्टिव लेकर आया है। विशेष रूप से खेल प्रदर्शन के साथ-साथ सामान्य भलाई के लिए अनुकूलित, ऐरोफिट एक्टिव एक्सप्लोर लाइफस्टाइल के स्थिर से एक और उत्कृष्ट उत्पाद है. डिवाइस द्वारा दिए गए सरल प्रशिक्षण मार्गदर्शन और केवल तीन सत्रों के मामले में, एक खिलाड़ी अपनी सांस लेने की विधियों और क्षमता में काफी सुधार कर सकता है और इस प्रकार अपने खेल प्रदर्शन को बढ़ा सकता है। महत्वपूर्ण रूप से, डिवाइस सभी प्रकार के खेलों के एथलीटों और खिलाड़ियों की मदद कर सकता है, चाहे वह व्यक्तिगत खेल हो जिसमें विशिष्ट व्यक्तिगत प्रशिक्षण और अभ्यास की आवश्यकता होती है, या टीम खेल जिसमें सामान्य और व्यक्तिगत प्रशिक्षण के संयोजन की आवश्यकता हो सकती है। यह अनुमान लगाया गया है कि इस उपकरण के साथ दिन में 4 मिनट के प्रशिक्षण का वैसा ही प्रभाव होता है जैसा कि सप्ताह में दो बार 53 मिनट के VO2 अधिकतम कसरत का धीरज एथलीटों पर होता है.समायोज्य प्रतिरोध स्तर प्रदान करते हुए, डिवाइस न केवल एथलीट को उसकी मूल श्वास शैली और क्षमता के आधार पर लचीले तरीके से प्रशिक्षित करने में सक्षम बनाता है, बल्कि उसे ऐतिहासिक डेटा का ट्रैक रखने की भी अनुमति देता है जिससे उसे वृद्धिशील सुधार करने में मदद मिलती है। साथ ही, डिवाइस गैर-खेल क्षेत्रों में एथलीटों की भी मदद करता है और समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है, तनाव को कम करता है, नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देता है. "हम सभी जानते हैं कि सही ढंग से और लंबे समय तक लगातार सांस लेना एथलीटों के प्रदर्शन और उनकी घटनाओं और गतिविधियों में उत्कृष्टता हासिल करने के तरीके में एक अविश्वसनीय भूमिका निभा सकता है। जबकि एक खेल के लिए विशेष रूप से कौशल और कलात्मकता काफी महत्वपूर्ण है, समय से पहले बिना थके आराम से और लंबे समय तक सांस लेने की भूमिका एक एथलीट के समग्र प्रदर्शन के लिए कम महत्वपूर्ण नहीं होगी। इसके अलावा, वेगस तंत्रिका की उत्तेजना जो किसी को बेहतर विश्राम प्राप्त करने की अनुमति देती है, एथलीटों को खेल की घटनाओं के बीच बेहतर तरीके से ठीक होने में मदद करती है.

मरीजों को सस्ती दवा मिलें

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकार ने कानून बनाया है कि डॉक्टर मरीजों को दवाओं के सॉल्ट यानि जेनरिक दवा ही लिखें। लेकिन पीजीआई, जीएमएसएच-16 और डिस्पेंसरी के ज्यादातर डॉक्टर मरीजों को कई गुना महंगी ब्रांडेड दवा ही लिख रहे हैं। भास्कर ने बीते दो दिनों में इन जगहों पर मरीजों से 50 प्रिस्क्रिप्शंस जुटाए और देखा कि डॉक्टर किस तरह की दवा लिख रहे हैं. इनमें से 28 प्रिस्क्रिप्शंस पर सिर्फ ब्रांडेड दवाएं ही लिखी गयी थीं। हालाकिं 20 प्रिस्क्रिप्शंन ऐसे भी मिले जिनमें ब्रांडेड के साथ ही दवा का सॉल्ट भी लिखा गया था। सिर्फ 2 प्रिस्क्रिप्शन ऐसे मिले, जिनमें सिर्फ जेनरिक दवा लिखी गयी थी। इस हिसाब से देखा जाये तो 56 फीसदी प्रिस्क्रिप्शंस पर ब्रांडेड दवायें ही लिखी जा रही हैं। इनमें और ब्रांडेड दवाओं के रेट का लगभग तीन गुना फर्क देखने को मिला। डॉक्टर्स को सरकार की ओर से हिदायत है कि वे दवा के सॉल्ट के नाम पर ही मरीज प्रिस्क्राइब करें। अगर सॉल्ट के नाम से दवा नहीं है तो ब्रांड का ऑप्शन दे सकते हैं। लेकिन बहुत कम डॉक्टर्स ही इन नियमों का पालन कर रहे हैं। शहर में पीजीआई, जीएमएसएच-16 और जीएमसीएच-32 में जन-औषधि शॉप खुल चुकी हैं. इन शॉप्स पर जेनरिक दवाएं भी उपलब्ध हैं। पीजीआई स्थित जन औषधि केन्द्र के कर्मचारियों की मानें तो जेनरिक में 1616 दवाएं आ चुकी हैं। जेनरिक दवाएं तो हैं लेकिन मरीजों-तीमारदारों को जब प्रिस्क्रिप्शन पर ब्राडेंड दवा लिखी मिलती है तो वह केमिस्ट के पास जा कर वही लेते हैं. डॉक्टर्स सॉल्ट के नाम पर दवा लिखने में कम भरोसा रखते हैं। इसके पीछे बहुत से कारण हो सकते हैं। मेडिकल सेल के चेयरमेन प्रिंस भंडूला का कहना है कि डॉक्टर्स को जेनरिक दवाओं के नाम ही लिखने चाहिए। इसे लागू करवाने के पावर डायरेक्टर हेल्थ सर्विसेज के पास ही है। वे स्वयं या किसी डेजिगनेटेड डॉक्टर की ड्यूटी लगा कर लागू करवा सकते हैं।

– अच्छे लाल दूबे, महाराष्ट्र,
मो॰ 9422789299.

Work More, Always Smile

शोध से बच्चों में कैंसर जैसी स्थिति का पता चलता है

स्टॉकहोम: लैंगरहैंस सेल हिस्टियोसाइटोसिस (एलसीएच) के रूप में जानी जाने वाली घातक कैंसर जैसी स्थिति मुख्य रूप से युवाओं को प्रभावित करती है और अत्यधिक परिस्थितियों में घातक हो सकती है। स्वीडन में, बीमारी सालाना पांच से दस बच्चों को प्रभावित करती है, आमतौर पर दस साल की उम्र से पहले. करोलिंस्का इंस्टीट्यूट और करोलिंस्का यूनिवर्सिटी अस्पताल के शोधकर्ताओं ने गंभीर कैंसर जैसी स्थिति एलसीएच के कारणों को इंगित किया है। साइंस इम्यूनोलॉजी के निष्कर्ष नए, विशेष उपचारों के विकास को प्रेरित कर सकते हैं. एलसीएच एक ऐसी बीमारी है जिसमें प्रतिरक्षा कोशिकाओं में कैंसर उत्परिवर्तन होता है, जो अन्यथा कैंसर कोशिकाओं का पता लगाने और उन्हें खत्म करने का काम करते हैं. "एलसीएच कोशिकाओं की उत्पत्ति पर दशकों से चर्चा की गई है। कुछ शोधकर्ताओं का मानना है कि एलसीएच एक निश्चित प्रकार की प्रतिरक्षा कोशिका से प्राप्त होता है जिसे डेंड्राइटिक कोशिकाएं कहा जाता है, जबकि अन्य का मानना है कि वे संबंधित कोशिकाओं से आती हैं जिन्हें मोनोसाइट्स कहा जाता है," एग्ले केवेदाराइट कहते हैं, एक करोलिंस्का इंस्टीट्यूट में मेडिकल बायोकैमिस्ट्री और बायोफिजिक्स विभाग में डॉक्टर और शोधकर्ता और नए अध्ययन के पहले करोलिंस्का इंस्टिट्यूट के शोधकर्ता सिंगापुर इम्यूनोलॉजी नेटवर्क और न्यूकैसल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर अब यह दिखाने में सक्षम हुए हैं कि दोनों सिद्धांत सत्य के करीब हैं। शोधकर्ताओं ने तथाकथित एकल-कोशिका अनुक्रमण, नमूनों की माइक्रोस्कोपी और दूसरों के बीच, करोलिंस्का विश्वविद्यालय अस्पताल से भर्ती किए गए रोगियों की कोशिकाओं की ट्रैकिंग को संयुक्त किया। उन्होंने पाया कि उत्परिवर्तित एलसीएच कोशिकाओं में मोनोसाइट्स और डेंड्राइटिक कोशिकाओं दोनों के समान गुण थे, साथ ही अपेक्षाकृत नए प्रकार के डेंड्राइटिक सेल, तथाकथित डेंड्राइटिक सेल टाइप 3 (डीसी 3) थे. "आज हम जानते हैं कि DC3 के पास विकास का एक अलग मार्ग है, जो अन्य डेंड्राइटिक कोशिकाओं और मोनोसाइट्स से अलग है, और इसका ज्ञान हमारे अध्ययन में महत्वपूर्ण था," एग्ले केवेदाराइट कहते हैं. शोधकर्ताओं ने पाया कि एलसीएच के विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार की कोशिकाएं एक दूसरे के साथ संवाद कर सकती हैं और इस तरह एक आत्म-मजबूत प्रभाव पैदा कर सकती हैं."एलसीएच के उपचार विकल्पों में, लक्षित चिकित्सा को सफलतापूर्वक लागू किया जा सकता है, लेकिन जब लक्षित उपचार बंद कर दिया जाता है तो रोग वापस आ जाता है। यह रोगियों के लिए एक गंभीर चुनौती है, क्योंकि बच्चों के लिए आजीवन उपचार एक अच्छा विकल्प नहीं है, क्योंकि इसके दुष्प्रभाव हैं, "एग्ले केवेदराइट कहते हैं. इस प्रकार के कैंसर की उत्पत्ति की इस नई समझ में नए लक्षित उपचारों के विकास में योगदान करने की क्षमता है. "निष्कर्षों से पैथोलॉजिकल कोशिकाओं को खत्म करने के उद्देश्य से एक उपचार हो सकता है," एगल केवेदराइट कहते हैं। शोध को एरिक और एडिथ फर्नस्ट्रॉम फाउंडेशन फॉर मेडिकल रिसर्च, स्वीडिश चाइल्डहुड कैंसर फाउंडेशन, हिस्टियोसाइटोसिस एसोसिएशन, VIVA फाउंडेशन फॉर चिल्ड्रेन विद कैंसर, वेलकम ट्रस्ट, CRUK बायोमार्कर प्रोजेक्ट, हिस्टियो यूके और ब्राइट रेड के अनुदान से वित्त पोषित किया गया था।

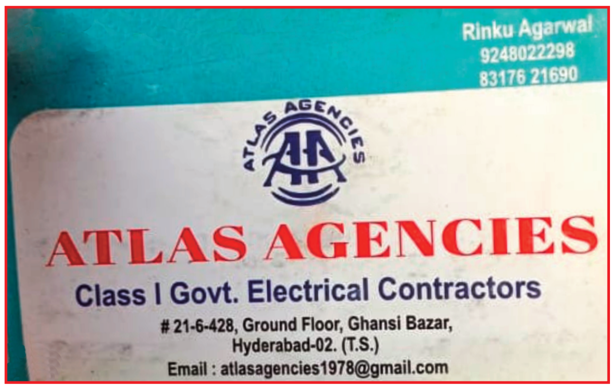

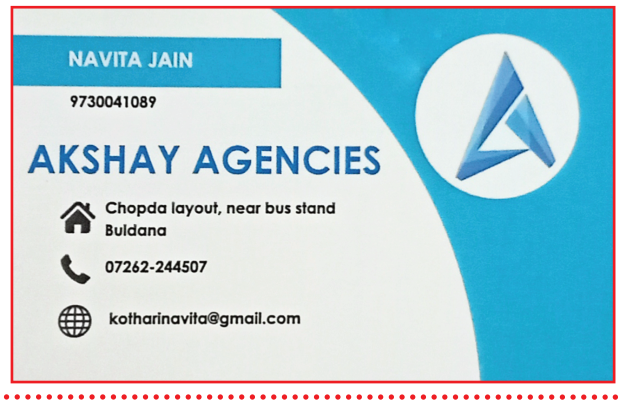

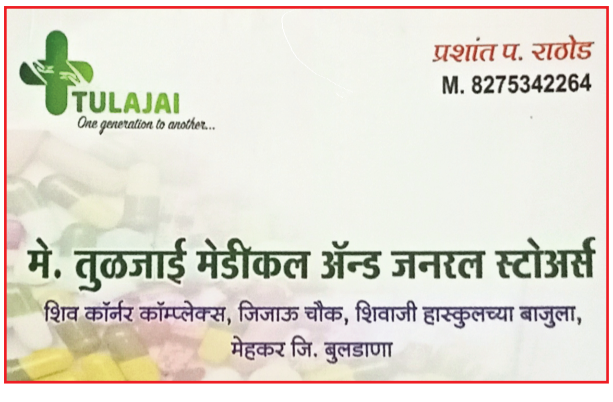

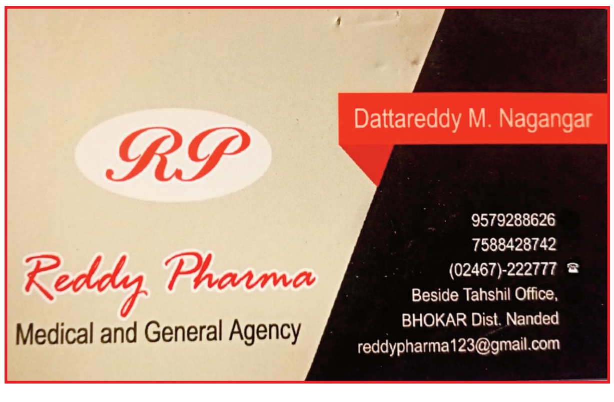

जिस हवा में हम सांस लेते हैं, उसमें एसपीएम को बाहर रखने के लिए आईआईटी-कानपुर ने नैनो प्यूरिफायर विकसित किया है

कानपुर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर ने चार साल के शोध के बाद एक नैनो-तकनीक आधारित 'स्वसा' वायु शोधक बनाया है जो अपने 400 मीटर के दायरे में हवा को शुद्ध कर सकता है। आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर प्यूरीफायर का आविष्कार करने वाले कानपुर स्थित ई-स्पिन नैनोटेक के निदेशक संदीप पाटिल ने कहा, "आज प्रदूषण और धूल के छोटे-छोटे कणों से फैला वायरस लोगों को काफी परेशान कर रहा है। बच्चे हों या बड़े, हर कोई परेशान है। इसे ध्यान में रखते हुए, हमने स्वसा नैनो गार्ड एयर प्यूरीफायर डिजाइन करने के लिए आईआईटी कानपुर के साथ सहयोग किया है." "प्यूरिफायर में उपयोग की जाने वाली नैनोफाइबर तकनीक हवा से 2.5 माइक्रोमीटर व्यास (पीएम 2.5 के रूप में संदर्भित) से नीचे के कणों को अलग करती है। साथ ही, प्यूरीफायर में एक अभिनव तत्व डाला गया है, जो हवा से वायरस, बैक्टीरिया और प्रदूषण को दूर कर सकता है। यह तकनीक आईआईटी कानपुर और मेडिटेक आईआईटी कानपुर द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई है," उन्होंने विस्तार से बताया. पाटिल ने आगे कहा कि इसके अंदर एन हेपा नैनोफाइबर मेम्ब्रेन है, जो आठ चरणों में हवा को शुद्ध करता है. "हमने सांस लेने वाले मास्क में भी इस (एन हेपा) तकनीक का इस्तेमाल किया। यह सांस लेने में कठिनाई पैदा करने वाले वायरस को नष्ट कर देता है और 300 से 400 वर्ग फुट के क्षेत्र को कवर करता है." एक एयर प्यूरीफायर की कीमत लगभग 13,000 रुपये से 14,000 रुपये के बीच है.यह कम बिजली की खपत करता है और बाजार में उपलब्ध प्यूरीफायर से अलग है क्योंकि यह नैनो तकनीक पर आधारित पहला एयर प्यूरीफायर है। इसमें अत्याधुनिक सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया है और इन्हें अस्पतालों, स्कूलों और कार्यालयों में भी आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है।

पाटिल ने कहा कि स्वसा ने कोरोना के दौरान भी मास्क बनाए हैं। यह मास्क बाजार में मिलने वाले अन्य मास्क से बिल्कुल अलग है। इस मास्क की विजिबिलिटी और फिल्ट्रेशन अन्य मास्क से बेहतर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा कई सेलेब्रिटीज ने भी इस मास्क का इस्तेमाल किया. आईआईटी कानपुर में इमेजिनियरिंग लेबोरेटरी, मेडटेक लेबोरेटरी के को-ऑर्डिनेटर प्रोफेसर जे. रामकुमार ने कहा कि स्वासा एयर प्यूरीफायर से पहले आईआईटी कानपुर और ई-स्पिन नैनोटेक ने भी स्वासा फेस मास्क बनाया था जो बहुत लोकप्रिय हुआ।

खासियत के बारे में रामकुमार कहते हैं कि एयर प्यूरीफायर बहुत हल्का है और इसे कहीं भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यह आसपास के वातावरण में मौजूद कणों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह हवा में मौजूद वायरस और बैक्टीरिया को भी नष्ट करता है. रामकुमार कहते हैं, "हम भारत को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने पर ध्यान दे रहे हैं और यह उत्पाद उसी दिशा में एक प्रयास है। इस उत्पाद का रखरखाव भी काफी आसान है." केजीएमयू रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. राजीव गर्ग कहते हैं कि सड़कों पर उड़ने वाली धूल भले ही खतरनाक न लगे, लेकिन ये छोटे-छोटे कण स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं. ये फेफड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि धूल के ये कण अस्थमा जैसे कई श्वसन रोगों का कारण बन रहे हैं, उन्होंने कहा कि सांस की जटिलताओं से बचने के लिए शुद्ध हवा बहुत आवश्यक है। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए और प्रातः काल स्वच्छ एवं खुली हवा में टहलना चाहिए।

पोर्टल द्वारा जल्द ही बच्चों के टीकाकरण पर नजर रखी जाएगी

जल्द ही, हर बच्चे के नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को डिजिटल रूप से बनाए रखा जाएगा। एक ऐप या एक वेब-आधारित पोर्टल अगले महीने एक पायलट तरीके से शुरू होने की संभावना है और यह कोविन सहित दो या तीन वेब कार्यक्रमों का समामेलन हो सकता है, जिसका राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के लिए सफलतापूर्वक उपयोग किया गया था. एक सिविक डॉक्टर ने कहा कि यूनिसेफ के अधिकारी पायलट प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं जो कोविन के साथ-साथ आरसीएच (प्रजनन और बाल स्वास्थ्य वेबसाइट) इंटरफेस को एकीकृत करेगा। बीएमसी के टीकाकरण प्रकोष्ठ के डॉ. अरुण कुमार गायकवाड़ ने कहा, "आरसीएच के पास बच्चों के टीकाकरण का डिजिटल रिकॉर्ड होना चाहिए था, लेकिन यह अभी तक सफल नहीं हुआ है." पिछले सप्ताह शहर में आयोजित कार्यशाला में यूनिसेफ के स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि डिजिटाइज्ड प्लेटफॉर्म जनवरी 2023 में उपलब्ध होना चाहिए। उन्होंने बताया कि कैसे वर्तमान में बनाए गए कागज/कार्ड के रिकॉर्ड कुछ वर्षों के बाद अक्सर माता-पिता द्वारा खो दिए जाते हैं। "यह ध्यान दिया गया है कि पहले वर्ष में रिकॉर्ड को सावधानीपूर्वक बनाए रखा जाता है, लेकिन उसके बाद नहीं," उन्होंने कहा. डिजिटल रिकॉर्ड की आवश्यकता मुंबई में चल रहे खसरे के प्रकोप के दौरान महसूस की गई थी, जब सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को उन बच्चों का पता लगाने के लिए घर-घर जाना पड़ता था, जो महामारी के शुरुआती दिनों में लगाए गए लॉकडाउन के कारण अपने खसरे के टीके से चूक गए थे. बीएमसी ने पाया कि महामारी के वर्षों में मोटे तौर पर 20,000 बच्चों को खसरे का टीका नहीं लग पाया था। हालाँकि, डिजिटल रिकॉर्ड के साथ, माता-पिता को उनके बच्चों के लिए आसन्न वैक्सीन शॉट्स के बारे में एक रिमाइंडर भेजा जा सकता है। काउइन ऐप ने लोगों को उनके दूसरे डोज और बूस्टर शॉट्स के बारे में रिमाइंडर भेजे। टीकाकरण के राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह के प्रमुख डॉ एनके अरोड़ा ने अक्सर उल्लेख किया है कि बच्चों के टीकाकरण की स्थिति को ट्रैक करने के लिए कोविन ऐप के उन्नत संस्करण का उपयोग किया जाएगा.इस बीच मुंबई में पिछले 18 महीने से जच्चा-बच्चा स्वास्थ्य कार्ड की कमी है। एक डॉक्टर ने कहा, "ये कार्ड राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा बीएमसी को भेजे जाते हैं, लेकिन पिछले कई महीनों से कोई आपूर्ति नहीं हुई है."

जेनरोबोटिक्स ने हेल्थकेयर रोबोटिक्स के लिए टेक्नोसिटी में आरएंडडी सुविधा का विस्तार किया

तिरुवनंतपुरम: जेनरोबोटिक इनोवेशंस ने कहा कि उसने केरल की राजधानी में यहां एक नया अनुसंधान एवं विकास केंद्र खोला है और इस सुविधा से रोजगार के अधिक अवसर सृजित होने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि टेक्नोसिटी, तिरुवनंतपुरम में खोला गया केंद्र हेल्थकेयर उत्पादों के लिए अपने आरएंडडी को मजबूत करेगा, जिसमें हेल्थकेयर रोबोट विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. कंपनी ने यहां एक विज्ञप्ति में कहा कि राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने इस सुविधा का उद्घाटन किया, जो संसाधनों, सर्वोत्तम प्रथाओं और क्षमता को साझा करने की सुविधा प्रदान करेगी और क्षेत्र में और भी अधिक विकास के अवसर पैदा करेगी. "विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों के अनुसंधान और विकास पर जेनरोबोटिक्स के नए केंद्र का विशेष ध्यान होगा. यह विस्तार इस क्षेत्र में सैकड़ों नए रोजगार के अवसरों में योगदान देगा,"यह कहा. जेनरोबोटिक्स, जो एक स्टार्टअप के रूप में शुरू हुआ, जिसने विभिन्न सामाजिक मुद्दों को हल करने में नवीनता प्रदर्शित की है, ने दावा किया कि इसने सीवर-सफाई रोबोट 'बैंडिकूट' विकसित करके एक बड़ा प्रभाव डाला है, जिसने मैला ढोने की जगह ले ली है.

स्टोमा 'कैप' जीवन की गुणवत्ता को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है

आंतों की कुछ सर्जरी के बाद शरीर से अपशिष्ट को इकट्ठा करने के लिए ऑस्टियोमी बैग का उपयोग करने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। वे अपनी कमर से लटका हुआ मल से भरा बैग पहनने से बच सकते हैं और इसे उपन्यास "स्टोमा कैप" के साथ बदल सकते हैं, जो उन्हें उनकी स्थिति के बारे में जाने बिना सामा. जिक गतिविधियों में शामिल होने की अनुमति देगा. डिवाइस, जिसे मेडिकल डिवाइस रूल्स 2017 के अनुसार क्लास ए श्रेणी के मेडिकल डिवाइस के तहत वर्गीकृत किया गया है, को भारत में बिक्री के लिए मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस दिया गया है। तकनीक को स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बायोडिजाइन के तहत विकसित किया गया है , जो एम्स, आईआईटी दिल्ली के बीच एक केंद्रीय जैव प्रौद्योगिकी विभाग समर्थित सहयोगी कार्यक्रम है। और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों, और बायोटेक कंसोर्टियम ऑफ इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा लाइसेंस प्राप्त है। एम्स के एक फैकल्टी मेंबर ने बताया कि क्रिमसन हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड इसकी लीगल मैन्युफैक्चरर है. डिवाइस एक स्टोमा कवर है जो कोलोस्टोमेट्स को उनकी आंत्र सामग्री की निकासी पर पूर्ण नियंत्रण प्रदान करता है, स्टोमा बैग पर निर्भरता कम करता है। एम्स के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बायोडिजाइन में प्रणव चोपड़ा और नीरज कुमार ने गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी के प्रोफेसर डॉ. निहार रंजन दास के मार्गदर्शन में इस डिवाइस की परिकल्पना की है; गोविंद बल्लभ पंत इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के निदेशक डॉ अनिल अग्रवाल; और दूसरे डॉक्टरों के अनुसार, ऑस्टियोमी बैग, जो 2020 के शुरुआती दिनों से उपयोग किए जा रहे हैं, अक्सर लीक हो जाते हैं, उन्हें बार-बार बदलने की आवश्यकता होती है और अत्यधिक कलंक और मनोवैज्ञानिक समस्याएं पैदा होती हैं। डॉ डैश ने कहा, "इस स्टोमा कैप का उपयोग करने से आत्मविश्वास, बेहतर शरीर की छवि, स्वच्छता की बेहतर भावना और रोगियों को अपने मल को अपनी कमर से लटकने वाले बैग में ले जाने की शर्मिंदगी से बचाया जा सकेगा" आंत के प्रभावित खंड को हटाने के बाद, स्वस्थ भाग पेट, रंध्र में एक उद्घाटन के माध्यम से बाहर लाया जाता है.

गुर्दा प्रत्यारोपण का नया केंद्र

संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (SGPGI) को अगले साल किडनी ट्रांसप्लांट के लिए एक नई समर्पित सुविधा मिलेगी. एसजीपीजीआईएमएस के निदेशक प्रोफेसर राधा कृष्ण धीमान ने कहा, "अस्पताल एक साल में 130 गुर्दा प्रत्यारोपण करता है। हालांकि, एक साल के भीतर संस्थान एक गुर्दा प्रत्यारोपण केंद्र शुरू करेगा और पोस्टऑपरेटिव आईसीयू बेड बढ़ाएगा। हमारा लक्ष्य 500 गुर्दा प्रत्यारोपण करने का है। एक वर्ष। इस बीच, अंग प्रत्यारोपण भवन तैयार है और पहले ही चालू हो चुका है।" इसका उद्देश्य किडनी रोगियों के लिए प्रतीक्षा अवधि को कम करने के लिए मौजूदा बुनियादी ढांचे में सुधार करना और विशेषज्ञों, ऑपरेशन थिएटरों, नर्सों और अन्य सहायक कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि करना है। "200 बिस्तरों वाला गुर्दा प्रत्यारोपण केंद्र तैयार है और अगले वर्ष से, हम भवन का उपयोग करने जा रहे हैं। वर्तमान में, हम हर सप्ताह लगभग 2-3 प्रत्यारोपण कर सकते हैं। केंद्र बन जाने के बाद इसे बढ़ाकर 10-15 प्रति सप्ताह कर दिया जाएगा। परिचालन," उन्होंने कहा. देश के कई हिस्सों और यहां तक कि सीमा पार से किडनी के मरीज एसजीपीजीआईएमएस में आते हैं क्योंकि निजी अस्पतालों में 12-15 लाख रुपये की तुलना में जटिल सर्जरी यहां 2.5-5 लाख रुपये में की जाती है. राज्य में बहुत कम प्रतिशत किडनी रोगी ही समय पर प्रत्यारोपण करवा पाते हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 40,000 किडनी रोगियों को प्रत्यारोपण की आवश्यकता है. हालांकि, राज्य में साल भर में 250 से अधिक गुर्दा प्रत्यारोपण नहीं किए जाते हैं। इनमें से 130 का प्रत्यारोपण एसजीपीजीआईएमएस में ही किया जाता है. एसजीपीजीआईएमएस में फिलहाल 659 मरीज किडनी ट्रांसप्लांट के लिए इंतजार कर रहे हैं। अगर हालात ऐसे ही रहे तो उनमें से कई अगले साल भी ट्रांसप्लांट नहीं करा पाएंगे। वास्तव में, ऐसे भी मामले सामने आए हैं जहां मरीजों ने लगभग पांच साल तक इंतजार किया। यह लंबी प्रतीक्षा अवधि उनके जीवन को जोखिम में डालती है। SGPGIMS के अलावा, राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान और नोएडा और गाजियाबाद के कुछ अन्य अस्पतालों में गुर्दा प्रत्यारोपण किया जाता है। इनके अलावा, अपोलो मेडिक्स और मेदांता लखनऊ सर्जरी करने वाले निजी खिलाड़ियों में शामिल हैं। एसजीपीजीआईएमएस प्रशासन द्वारा एक वर्ष में किए जाने वाले प्रत्यारोपणों की संख्या को तिगुना करने के लक्ष्य के साथ, रोगियों के लिए आशा है।

कैडिला फार्मा ने अपना ग्लोबल सीओओ नियुक्त किया

मुंबई, कैडिला फार्मास्यूटिकल्स ने कहा कि उसने अशरफ अल्लम को अपना वैश्विक मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा, कैडिला फार्मास्युटिकल्स में शामिल होने से पहले सार्वजनिक निवेश कोष में सीईओ के रूप में काम करने वाले आलम समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राजीव मोदी को रिपोर्ट करेंगे। इससे पहले उन्होंने जॉनसन एंड जॉनसन, एमजेन, एली लिली, बीएमएस और मुंदीफार्मा जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ काम किया है। कंपनी ने कहा कि उनके पास मिस्र से क्लिनिकल फार्मास्यूटिकल्स में स्नातक की डिग्री है और अमेरिका और यूरोप की प्रमुख फर्मों से पोस्ट-ग्रेजुएट मैनेजमेंट प्रोग्राम है।

Never Break, Good Relation

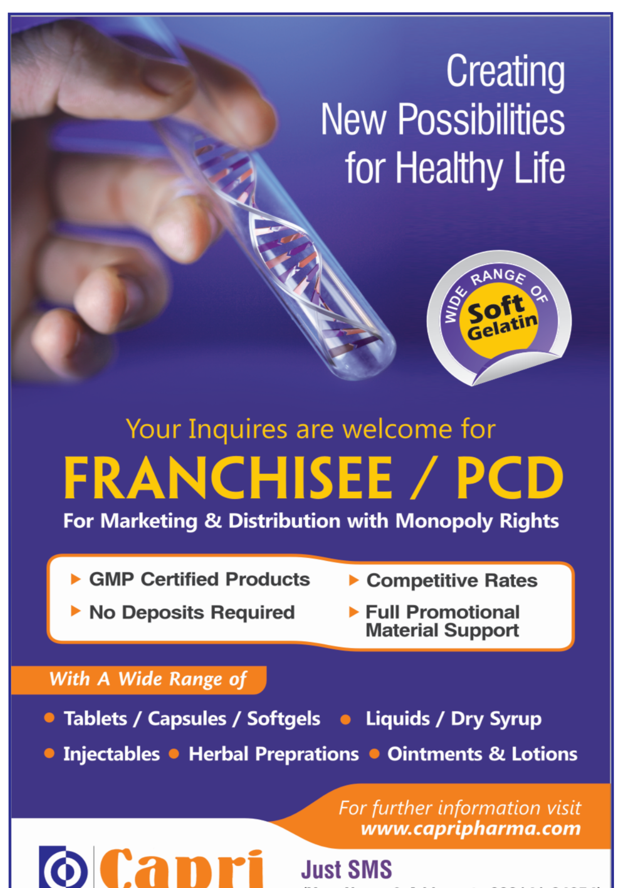

जन्मदिन पर ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाऐं

SHRI NISHANT G. VANI JI	JALGAON	21/12/1983	9730045303
SHRI RAJENDRA G. DHANDE JI	NASHIIK	22/12/1967	9422259685
SHRI MANISH KUMAR SINGHAL JI	AGRA	22/12/1969	9412269097
SHRI SAGAR PAHILWAN JI	NASHIK	23/12/1985	9764784665
SHRI SAGAR J. PAHILWAN JI	NASHIK	23/12/1985	9860304665
SHRI SANDEEP B. SHINE JI	NASHIK	23/12/1979	9860581998
Shri KEYUR SHAH JI	AHMEDABAD	24/12/1965	9210919560
SHRI MANOJ S. MAHAJAN JI	JALGAON	24/12/1975	9371566497
Shri SAKET K. JAISWAL JI	AHMEDABAD	25/12/1978	9825015314
SHRI MOHAN LAL AGRAWAL JI	BHARATPUR	25/12/1966	9414025664
SHRI RAKESH KUMAR JI	BULANDSHAHR	25/12/1983	9758551162
SHRI JALINDER B. PATADE JI	PUNE	25/12/1976	9096285918
SHRI VISHAL SAINDANE JI	NASHIK	26/12/1985	9225115917
SHRI SUDHIR CHVAN JI	JALGAON	26/12/1976	9730043808
SHRI ATUL KUMAR JAIN JI	JALGAON	27/12/1964	9422292255
SHRI RAMESHSWAR MUDADA JI	NASHIK	28/12/1966	9922230300
TAYYAB ANSARI	NASHIK	29/12/1968	8975445251
SHRI KESHAV G. HIRAY JI	NASHIK	30/12/1974	9923602561
SHRI VILASRAO M. PATIL JI	JALGAON	31/12/1968	9730043951
MR. SUNIL REGUNDWAR JI	CHANDRAPUR	01/01/1995	9960145912
DR. YOGESH KUMAR VASHISHTHA JI	BULANDSHAHR	01/01/1960	9719196260
DR. SANDEEP KUMAR JI	BULANDSHAHR	01/01/1970	9412612041
SHRI. DINESH KUMAR JI	BULANDSHAHR	01/01/1985	8057565818
SHRI. MONU KUMAR JI	BULANDSHAHR	01/01/1985	7248161984
SHRI PRIYANSH AGARWAL JI	BALAGHAT	01/01/1988	9713885250
SHRI GOPESH KUMAR SHARMA JI	ALWAR	01/01/1986	9414838458
SHRI NANAK BHAI THAKKAR JI	BANASKANTHA	01/01/1958	9427755411
DR. RAJ KUMAR JI	MEERUT	01/01/1988	9927619460
SHRI SANJAY SINGH JI	VARANASI	05/01/1973	9919195439
SHRI SWAPNIL JAIN JI	JALGAON	05/01/1981	9890280807
SHRI SUHA PATEL JI	SATARA	06/01/1993	8793064444
USMAN RAJPUT JI	DEHRADUN	06/01/1988	8410528153
SHRI P.B.THAKARE JI	NASHIK	06/01/1961	9423221584
SHRI ANIL L. CHAUDHARI JI	JALGAON	06/01/1963	9527485427
SHRI BAPU KHAIRNAR JI	NASHIK	06/01/1977	9922250522
SHRI MULARAM C. CHAUDHRY JI	SURAT	07/01/1983	8160936949
SHRI SANJAY L. PARMAR JI	SURAT	07/01/1989	9574244189
SHRI SHOBHARAM PAKAJI	PUNE	07/01/1973	9850916115
SHRI MANGESH R. THOOLE JI	WARDHA	09/01/1987	8390089522
SHRI RAJARAM CHAUDHRY JI	PUNE	09/01/1973	9822437661
DR. RUSTAM ALI JI	MEERUT	10/01/1978	9917729260
SHRI JAYESH G. KHUTADE JI	NASHIK	10/01/1979	9421505760
SHRI JITENDRA S. OSWAL JI	SATARA	11/01/1971	9850072894
SHRI MANOHAR SOLANKI JI	SURAT	11/01/1998	9601661300
SHRI KETAN D. KATHIRIYA JI	SURAT	12/01/1998	7575029329
SHRI SANJEEV KUMAR SHARMA JI	ETAH	12/01/1969	9837584384
SHRI SATISH D. DATE	BHANDARA	12/01/1976	9049897215
SHRI HITESH BHAI PATEL JI	SURAT	13/01/1971	9825460325
DR. JANDEV MHATRABA BALEKAR JI	PUNE	13/01/1976	9766116679
SHRI KISHOR B.SHINKAR JI	DHULE	14/01/1968	9422289996
SHRI ANUP BANSAL JI	AGRA	14/01/1973	9412425720
SHRI RAJENDRA HINGMIRE JI	NASHIK	14/01/1968	9011275300
SHRI LALIT KUAMR BANKA JI	BARGARH	14/01/1965	9938560769
SHRI AMOL M.SHINDI JI	NASHIK	15/01/1982	7798980599
INGALE RAVI	AURANGABAD	15/01/1984	9437208036
SHRI PANKAJ YEOLE JI	DHULE	16/01/1990	9765363181
SHRI AMIT GHARTE JI	NASHIK	16/01/1987	9820583083
SHRI SHRIKANT B. KADAM JI	NASHIK	17/01/1976	9175238763
SHRI NAMADE CHARULATA TUSHAR	NASHIK	17/01/1980	9850200925
MR. AFTAB ALI JI	MEERUT	17/01/1962	9412835516
SHRI NUTAN KUMAR S. CHORDIYA JI	NASHIK	17/01/1970	9823471371
SHRI DEEPAK M. SHELAR JI	NASHIK	18/01/1970	9823357234
SHRI MANISH KABARA JI	NASHIK	18/01/1967	9326256369
SHRI PRASAD SADASHIV GUNJAL JI	PUNE	20/01/1982	9766917763
SHRI RAGHUVEER SINGHAL JI	ALWAR	20/01/1962	9461192653
SHRI MAHESH PATIL JI	JALGAON	20/01/1973	9403810839

रोटी

इस दुनिया में
रोटी का है ऐसा चक्कर
इसके जाल में फंसे हैं
साधु, संत और फक्कड़
रोटी की आस में
माँ बेटे को ही चाहे
स्वार्थ सिद्धि ना होने पर
कन्या भ्रूण हत्या कराये
रोटी के कारण ही
लोग सियासत में जायें
मेहनत मजदूरी करने वाले
तो वैसे ही भूखे मर जायें
रोटी के सदके ही
फल-फूल रहा देह व्यापार
क्या करे वह मंदभागिनी
फंसा जिसका जीवन मंझदार
रोटी के कारण ही लोग
छल कपट और झूठ अपनायें
भूखे ही मर जायेंगे
जो अनैतिकता को ना सजायें
आज के इस कलियुग में
मिलावट का धन्धा रहा है फूल
अगर यहाँ भी नहीं है रोटी
यह है सरासर तुम्हारी भूल
आतंकवाद के पीछे भी
है यह नामुराद रोटी
जो भी फंसा इस चक्रव्यूह में
उसकी तो है किस्मत खोटी
अपना-अपना पंथ चलाकर
बैठे हैं जो संत, महंत और योगी
कहीं ना कहीं बैठी है
इनके मन में भी यह कातिल रोटी
रोटी अगर ना होती तो
कैसे चलता यह संसार
भूख-प्यास ना लगे
क्या होते हम ऐसे अवतार?
अनाप श्नाप रोटी है
बहुत सारी बीमारियों का घर
जो हर दम चरता रहे उसके
लिए तो है अस्पताल का बिस्तर
जो तुम अपने परिवार में
बढ़ाना चाहो अच्छे संस्कार
उन्हें ईमानदारी/मेहनत की
रोटी खिलाओ मेरी सरकार
जिस परिवार ने भ्रष्टाचार
और बेईमानी की रोटी खाई
और तो सब फलेंगे-फूलेंगे
लेकिन कहाँ होगी उसकी भलाई

– प्रो॰ श्यामलाल कौशल
मो॰ 9416359045.

हमारी प्यारी बेटियाँ

बहुत चंचल बहुत खुशनुमा सी होती हैं बेटियाँ,
नाजुक सा दिल रखती हैं, मासूम सी होती हैं बेटियाँ,
बात-बात पर रोती हैं, नादान सी होती हैं बेटियाँ,
है रहमत से भरपूर,
खूदा की नेहमत ये बेटियाँ,
घर भी महक उठता है, जब मुस्कुराती हैं "बेटियाँ"
यह हम नहीं कहते,
यह तो "खुदा" कहता है,
कि जब मैं बहुत खुश होता हूँ तो पैदा होती हैं बेटियाँ.

www.medicaldarpan.com

वैक्स का प्रभाव कम हो रहा है क्योंकि अधिक टीका लगवा चुके लोग अब कोविड से मर रहे हैं

नई दिल्ली:- प्राप्त समाचार के अनुसार कोविड वायरस बदल गया है और पिछले कोविड-19 टीकाकरण से प्रतिरक्षा कम हो गई है, यहाँ तक कि डबल-टीकाकरण वाले लोगों के स्वास्थ्य को भी बहुत जोखिम में डाल दिया है. कई कारक हैं, जिनमें कमजोर प्रतिरक्षा सुरक्षा और बूस्टर का कम उपयोग, साथ ही गैर-टीकाकृत लोगों में प्रतिरक्षा में परिवर्तन शामिल हैं. एफडीए कमिश्नर रॉबर्ट एम. कैलीफ ने पिछले हफ्ते कहा था कि जितने अधिक लोग कोविड-19 टीकाकरण के बारे में अप टू डेट रहेंगे, "गंभीर बीमारियों, अस्पताल में भर्ती होने और मौतों को रोकने में मदद करने से व्यक्तियों, परिवारों और सार्वजनिक स्वास्थ्य को उतना ही अधिक लाभ होगा." यह सलाह तब आई जब पिछले महीने वाशिंगटन पोस्ट के विश्लेषण में पाया गया कि अधिक टीकाकरण वाले लोग अब कोविड रोग से मर रहे हैं और अमेरिका में अगस्त में 58 प्रतिशत कोरोनोवायरस मौतें "वे लोग थे जिन्हें टीका लगाया गया था या बढ़ावा दिया गया था." रिपोर्ट में कहा गया है: "सितंबर 2021 में, टीकाकरण वाले लोगों ने कोरोनोवायरस की मृत्यु का सिर्फ 23 प्रतिशत हिस्सा बनाया। इस साल जनवरी और फरवरी में यह 42 प्रतिशत तक था." कम से कम एक टीका खुराक लेने वाले लोगों में कोविड टीकों की प्रभावकारिता और "बुजुर्गों और प्रतिरक्षा में अक्षम लोगों में वायरस के तेजी से संक्रामक तनाव" के कारण टीका लगाए गए लोगों के बीच मृत्यु बढ़ रही है. वाशिंगटन पोस्ट की ओर से विश्लेषण करने वाले कैसर फैमिली फाउंडेशन के उपाध्यक्ष सिंथिया कॉक्स ने कहा, "हम अब यह नहीं कह सकते कि यह गैर-टीकाकृत लोगों की महामारी है." हालांकि यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना स्कूल ऑफ मेडिसिन के संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ॰ डेविड वेबर जैसे कुछ शोधकर्ताओं ने कहा, "यह एक सच लेकिन गलत बयान है." डॉ॰ वेबर ने कहा: "यह कहने जैसा होगा कि कार दुर्घटनाओं में ज्यादातर मौतें सीट बेल्ट पहनने वाले लोगों के साथ होती हैं. ऐसा इसलिए है क्योंकि लगभग हर कोई सीट बेल्ट पहनता है. सही कथन यह है कि सीट बेल्ट कितने जीवन बचाते हैं? और यह सही कथन होगा टीकों के लिए." उन्हें www.cbs17.com द्वारा उद्धृत किया गया था. व्हाइट हाउस के निवर्तमान मुख्य चिकित्सा सलाहकार, एंथोनी फौसी ने गंभीर बीमारी और मौतों को रोकने में स्वीकृत कोविड टीकों की सुरक्षा और प्रभावकारिता पर जोर दिया है, लोगों को जल्द से जल्द टीका लगाने और बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया है. "मेरा संदेश, और मेरा अंतिम संदेश, शायद अंतिम संदेश जो मैं आपको इस पोडियम से देता हूं, वह यह है कि कृपया, अपनी सुरक्षा के लिए, अपने परिवार के लिए, जैसे ही आप पात्र हों, अपना अपडेटेड कोविड-19 शॉट प्राप्त करें. अपनी, अपने परिवार और अपने समुदाय की रक्षा करें," फौसी ने कहा. साइंटिफिक अमेरिकन की रिपोर्ट के अनुसार, वृद्ध लोग हमेशा विशेष रूप से कमजोर होते थे और अब महामारी में पहले की तुलना में कोविड से होने वाली मौतों का अनुपात अधिक है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने नौ महीने पहले की तुलना में वैश्विक स्तर पर हाल ही में कोविड-19 से होने वाली मौतों में लगभग 90 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है, लेकिन फिर भी महामारी के खिलाफ सतर्कता का आग्रह किया है क्योंकि नए वेरिएंट में वृद्धि जारी है.

पारदर्शी और जवाबदेह सरकार

86 लाख किसानों के रू॰ 36 हजार करोड़ के ऋण माफ

गन्ना किसानों को रू॰ 1.44 लाख करोड़ से अधिक गन्ना मूल्य का भुगतान 476 लाख मी. टन चीनी का रिकॉर्ड उत्पादन खाण्डसारी इकाइयों को नि:शुल्क लाइसेंस

एम.एस.पी. में दोगुना तक वृद्धि

- 435 लाख मी. टन खाद्यान्न की सरकारी खरीद किसानों को रू॰ 79,000 करोड़ का भुगतान
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में 2 करोड़ 53 लाख 98 हजार किसानों को रू॰ 37,521 करोड़ हस्तांतरित
- 2399 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों को रू॰ 2376 करोड़ की क्षतिपूर्ति
- किसानों को रू॰ 4 लाख 72 हजार करोड़ फसली ऋण भुगतान
- 45 कृषि उत्पाद मंडी शुल्क से मुक्त मंडी शुल्क 1 प्रतिशत घटाया गया 27 मंडियों का आधुनिकीकरण 125 ई-नाम मंडी की स्थापना.

– सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश.

दिसम्बर व जनवरी माह के त्यौहार

20.12.2022	सुरूप द्वादशी
21.12.2022	मासिक शिवरात्रि व्रत
23.12.2022	पौष अमावस
25.12.2022	क्रिसमस डे
26.12.2022	जोड़ मेला श्री फतेहगढ़ साहिब, शहीद उधम सिंह जयन्ती
29.12.2022	श्री गुरू गोबिन्द सिंह जयन्ती
31.12.2022	इंग्लिश सन् 2022 ई॰ समाप्त
02.01.2023	पौष पुत्रदा एकादशी
04.01.2023	प्रदोष व्रत (शुक्ल)
06.01.2023	पौष पूर्णिमा व्रत
10.01.2023	संकष्टी चतुर्थी
15.01.2023	पोंगल, उत्तरायण, मकर संक्रान्ति
18.01.2023	षटतिलता एकादशी
19.01.2023	प्रदोष व्रत (कृष्ण)
20.01.2023	मासिक शिवरात्रि

अगर आप सोचते हैं कि ज्ञान पाना महंगा है, तो अज्ञानी बनकर देखो

"अगर आप सोचते हैं कि
ज्ञान पाना महंगा है,
तो अज्ञानी बनकर देखो"
"क्या आपको ज्ञात है कि
प्रेम का देह से कोई सम्बन्ध नहीं?"

Zydus Healthcare Ltd. Bonus Offer

Product	Bonus Offer
Espra Tab.	10+2
Espra DSR Cap.	10+2
Acti Bile 300/150/75 Tab.	10+2
Ocid 20 Cap.	10+1
Ocid DSR Cap.	10+1
Ocid QRS Tab.	10+1
Ocid L Cap.	10+1
Thrombophob Gel	7+1
Thrombophob Ointment	7+1
Etogesic 600ER	10+1
Etogesic MR	10+1
Etogesic T	10+1
Neurotrat LM	10+1
Neurotrat NP	10+1
Cimune Chewable Tab.	9+1
Eract X Granules	10+1
Penegra Tab.	1+1
Sustanon 250 Solution	9+1

Mob:- 8130014600.

"समयानुसार बुरे दिन तो निकल जाते हैं पर वे अनेक अनुभवों गुणों और सहनशक्ति का उपहार दे जाते हैं"

ULHASNAGAR CHEMIST'S ASSOCIATION

E.C. MEMBERS OF THE ULHASNAGAR CHEMIST'S ASSOCIATION की कार्यकारिणी

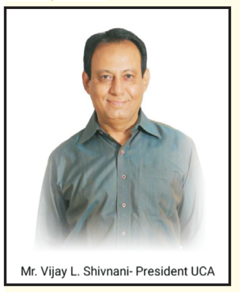
Mr. Vijay L. Shivnani- President UCA

Mr.Thakur Bachwani- Secretary UCA

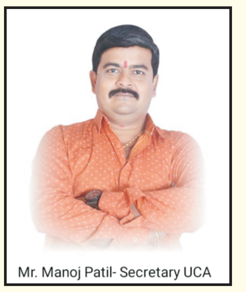
Mr. Manoj Patil- Secretary UCA

Mr.Manish S.Talreja- Treasurer UCA

Mr. Manish (Bunty) Nagrani Joint Treasurer

President: Mr. Vijay Shivnani, 9175215143, M/s. Satyam Chemist, Shop No 604, 1 Pratap Market, Baba Dholuram Road, Ulhasnagar 421001 **Secretary:** Mr. Manoj Patil, 9766451007, M/s. Shree Medical & Gen.Stores, Shree Kiran Apt. Shop No. 1, Subhash Tekdi Road, Ulhasnagar 421004 **Chairman:** Mr.Ramesh Jagiasi, 9422077660, M/s. Metro Medical Agencies Shop No 1, Mugal Monarch Aprt, Gandhi Rd, Ulhasnagar 421005 **Vice President:** Mr. Pradeep Hinduja, 9820220272, M/s. J.P. Medical & General Store, Shop No.8, Kamla Apartment, Pawai Chowk, Ulhasnagar 421003 **Joint Treasurer:** Mr. Manish Nagrani, 9321575770, M/s. Swastik Medical & Gen. Stores, Shop No.1, Ayodhya Nagar, Station Road, Ulhasnagar 421003 **Joint Secretary:** Mr. Suresh Rajpal, 9890322843, M/s. Mahadev Medical & Gen. Stores, Shop no.6, Mathura Dham Apt Ration Office Road, Ulhasnagar 421005, **Office Incharge:** Mr. Suresh Ahuja, 9322324120, M/s. Mahadev Medical & Gen. Store, Near Bk. No. 1240, Opp Shreeram talkies, Ulhasnagar 421004 **E.C.Member:** Mr. Narain Lund, 7350047000, M/s. Mayur Medical Store, Shop 24, Netaji Road, No 4, Opp HDFC Bank, Ulhasnagar 421004 **E.C.Member:** Mr. Vinay Gehani, 7350047000, M/s. Jai Bajrang Medical Store, Shop Number 2a, Radha Krishna Apt., Opp. Hemraj Dairy, Ulhasnagar 421002 **E.C.Member:** Mr. Anil Badlani, 8850954216, M/s. Savita Medical Store, 1, Bk No. 299, Shri Ganesh Darshan Niwas Jhulelal Mandir Rd, Ulhasnagar 421002 **Secretary:** Mr. Thakur Bachwani, 9960928353, M/s. New Royal Chemist Shop No 6, Plaza Tower, Hira Ghat Road, Section 17, Ulhasnagar 421003 **Treasurer:** Mr. Manish Talreja, 9545766232, M/s. Sagar Pharma Distributors, Shop No 1 & 2, Uma Shanker Apt., Near Thairyasingh Gurudwara, Ulhasnagar 421003 **Vice Chairman:** Mr. Ramesh Punjabi, 9323194929, M/s. Reliance Medical Stores, Shop No 2, Ganesh Ganga Apt, O.T. Section Chowk, Ulhasnagar 421003 **Organising Secretary:** Mr. Narendra Punjabi, 9850768684, M/s. Parameshwar Medical Agencies, Shop No. 2, White house apt, near jhulelal school, Ulhasnagar 421002 **Joint Secretary:** Mr. Shekhar Jeswaney, 8329930238, M/s. Kavita Medico Centre Ghanshyam Apt., Shop No.4, Punjabi Colony, Main Chowk, Ulhasnagar 421003 **Social Media Incharge:** Mr.Vinod Jawahrani, 9921746400, M/s. Aastha Medical & Superstore Priya Apt Opp. Swami Shewadas Darbar Near U.M.C Office, Ulhasnagar 421003 **E.C.Member:** Mr. Vyas Jetharam, 9049454676, M/s. Vandana Medical & Gen. Store, Shop No 1 & 2, Opp. Century Rayon Hospital, Ulhasnagar 421001 **E.C.Member:** Mr. Ravi Mali, 9890235101, M/s. Shree Ganesh Medical Agency, Shop No. 12, Barrack No. 1157, Powai Chowk, Ulhasnagar 421004 **E.C.Member:** Mr. Vijay Bhatia, 9767170027, M/s. Sai Vasant Shah Medical & Gen. store, Bk No. 2046, Sai Vasan Shah Bazar, Ulhasnagar 421005.

- 221/222, 2nd floor, Peninsula Park, Near Sapna Theater, Opp. New Era High School (Backside Gate), Ulhasnagar-421003, Mob:- +91 9082792143, www.ulhasnagarchemist.com

प्रीजेक्स ने भारत में सुई रहित इंजेक्शन बनाने के लिए पॉलीबॉन्ड और डब्ल्यूटीसी पुणे के साथ हाथ मिलाया है

पुणे : जर्मनी स्थित प्रेजेक्स जीएमबीएच की उपोत्पाद कंपनी प्रीजेक्स इंक ने सुई रहित इंजेक्शन बनाने के लिए राठी समूह के अदित राठी के नेतृत्व वाले पॉलीबॉन्ड के साथ एक समझौता किया है । इस साझेदारी ने वैश्विक वितरण के लिए जर्मन कंपनी की विनिर्माण क्षमताओं को बर्लिन से पुणे स्थानांतरित करने में सक्षम बनाया है। Prejex & Polybond फैक्ट्री दुनिया भर में वित. रित किए जाने के लिए सुई रहित इंजेक्शन बनाएगी। जहरीले कचरे में सीरिंज और डिस्पोजेबल सुइयों का प्रमुख योगदान है और उनकी निपटान लागत आसमान छू रही है। इसके अतिरिक्त, ट्रिपैनोफोबिया (सुइयों का डर) रक्त खींचने और टीके या अंत:शिरा तरल पदार्थ प्राप्त करने में रोगियों की अनिच्छा का एक सामान्य कारक है.प्रीजेक्स के प्रवेश के साथ, दर्द कारक समाप्त हो जाएगा क्योंकि दवा त्वचा के माध्यम से चमड़े के नीचे वितरित की जाएगी। यह डॉक्टरों और मरीजों के लिए समान रूप से उच्च स्तर की सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करते हुए क्रॉस-संदूषण को भी नकार देगा। रोगी स्वयं इंजेक्शन लगाने में भी सक्षम होगा, क्लिनिक का दौरा कम करेगा और स्वास्थ्य सेवा को अधिक लागत प्रभावी बना देगा। यह आगे अनुकूलित खुराक और विभिन्न प्रकार की दवाओं के उपयोग की अनुमति देगा। नई सीओसी पॉलीमर सीरिंज और प्लास्टिसाइजर के कारण दवाओं की शेल्फ लाइफ काफी बढ़ जाएगी। इसके अलावा, सुई रहित इंजेक्शन डिस्पोजेबल सीरिंज के उपयोग में भारी कटौती करेगा, इस प्रकार स्थिरता कारक को जोड़ देगा. साझेदारी पर बात करते हुए, नीरज खिनवसारा, सीआईओ, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर , पुणे (डब्ल्यूटीसी) ने कहा, "दुनिया के लगभग पांच प्रतिशत मधुमेह रोगी हैं, यानी मोटे तौर पर साढ़े चार से पांच मिलियन लोग एक दिन में दो इंजेक्शन ले रहे हैं। प्रीजेक्स जैसी कंपनियां दर्द कम कर सकती हैं और मरीजों के लिए जीवन आसान बना सकती हैं." **-नीरज खिनवासरा, सीआईओ, डब्ल्यूटीसी, और सागर चोर्डिया, अध्यक्ष, डब्ल्यूटीसी.**

लाइसेंस बनवाना होगा आसान

प्राप्त समाचार के अनुसार दवा बेचने के लिए लाइसेंस के लिए आप लोगों को इधर-उधर भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी. और लाइसेंस के लिए अधिक रुपयों का खर्चा भी नहीं करना पड़ेगा लाइसेंस लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति को ऑनलाइन आवेदन करना होगा और सभी औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद 24 घंटे में लाइसेंस जारी हो जाएगा. सरकार द्वारा सभी जिलों में आदेश जारी कर दिए गए हैं जिला औषधि निरीक्षक ने बताया कि थोक या फुटकर दवा बिक्री के लिए लाइसेंस की फीस मात्र 3000 रुपये है. आवेदक को फीस जमा कर सभी कागजी औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी. **- विवेक, मो॰ 9368777129, सहारनपुर**

भारतीय सीरप जांच में खरे उतरे

प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय कंपनी मेडेन फार्मास्यूटिकल के चार कप सीरप मानकों के आधार पर खरे उतरे हैं रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री भगवंत खुबा जी ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर यह जानकारी दी उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की शिकायत पर हरियाणा सरकार ने सोनीपत स्थित मेड इन फार्मास्यूटिकल की फैक्ट्री का औचक निरीक्षण की जांच कराई थी संयुक्त निदेशक गोयल जी ने कहा घटना के बाद से हम कहते आ रहे हैं कि हमारी दवाओं में कोई मिलावट नहीं है और साथ ही कहा कि मुझे भारतीय और न्यायपालिका की प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है हम सब अधिकारियों से कारखाने को फिर से खोलने का अनुरोध करने का प्रयास करेंगे हम अभी भी इंतजार कर रहे हैं.

- आशीष बह्मभट्ट, आगरा. मो॰ 9897811055.

4 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक, बुलन्दशहर के जो कि फार्मा दर्पण खाता संख्या 1824002100118703, IFSC Code - PUNB0182400 Branch- Deputy Ganj के नाम से है, में रू॰ 500/- जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं॰- 09045029158 पर भेज दें.

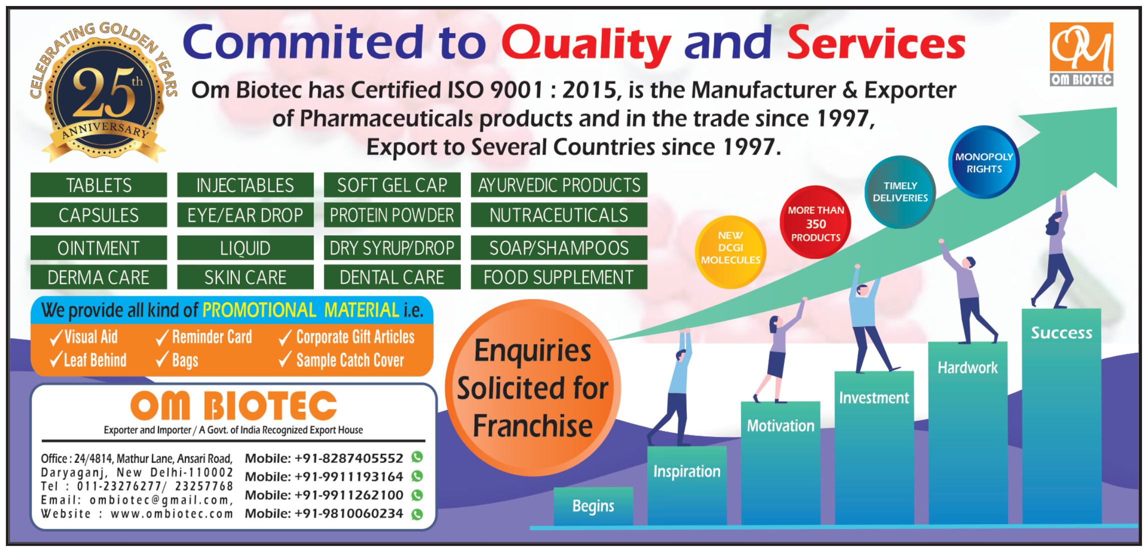

बदलते मौसम के दुष्प्रभावों से बचाव

क्षारसूत्र एवं पंचकर्म चिकित्सा विशेषज्ञ **वैद्य हितेश कौशिक** द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार स्वर्णप्राशन में स्वर्ण भस्म के साथ बल्य एवं मध्य औषधियों को शहद एवं शुद्ध घृत के साथ मिलाकर चटाया जाता है. इससे बच्चे निरोगी रहते हैं बच्चे बलवान एवं मेधावान बन जाते हैं. इस अवसर पर उपस्थित लोगों को हेमंत ऋतुचर्या के बारे में बताते हुए कहा कि हेमंत ऋतु में चन्द्रमा समस्त सृष्टि के सभी प्राणियों में भरपूर शक्ति का संचार करता है एवं इस ऋतु में कफ का संचय होता है. जिसके कारण जुकाम, खांसी, बुखार, सांस लेने में तकलीफ, कफ के अन्य रोग जैसे उल्टी, जी मिचलाना, सिर में दर्द, चर्म रोग, लीवर रोग, मूत्र रोग आदि अधिक पाए जाते हैं. इन सभी से बचने के लिए हमें मिठाईयां अभी खट्टे पदार्थों से बचना चाहिए, ठंडी फ्रिज की रखी हुई वस्तुओं से बचना चाहिए, फास्ट फूड एवं जंक फूड के सेवन से बचना चाहिए, दिन में सोने से बचना चाहिए. मावे की मिठाइयों का सेवन नहीं करना चाहिए, गर्म कपड़ों को पहनकर रखें, तिल के तेल को गर्म करके पूरे शरीर की मालिश करके बेसन का उबटन करने के बाद गर्म जल से नहाना चाहिए, सुबह की धूप का सेवन करना चाहिए. दूध का सेवन करना चाहिए गुड़ के साथ तिलों को कूटकर प्रयोग करें, गन्ने के रस की खीर का प्रयोग करें, उड़द की दाल का प्रयोग करें, गेहू के आटे का हलवा या मालपुआ बनाकर प्रयोग करें, नए अनाजों का प्रयोग करें, सभी कार्यों में गुनगुने जल का प्रयोग करें. हरी सब्जियों का एवं फलों का भरपूर सेवन करना चाहिए तथा लघु एवं सुपाच्य भोजन का सेवन करना चाहिए पानी में अदरक उबालकर उस पानी का सेवन करना चाहिए. ऐसा करने से हम मौसम के बदलाव से होने वाले दुष्प्रभाव से बचे रह सकते हैं.

– **वैद्य हितेश कौशिक, मो॰ 9456473577.**

परीक्षण से मिलेंगे सटीक परिणाम

नई दवाओं के परीक्षण को आसान, प्रभावी और तेज करने के लिए सरकार ने बड़ी तैयारी की है। स्वास्थ्य मंत्रालय नए दवा एवं क्लीनिकल परीक्षण नियम, 2019 में संशोधन की दिशा में काम कर रहा है। इसके तहत जानवरों पर नई दवाओं परीक्षण के साथ-साथ प्रयोगशाला में तैयार मानव टिश्यू पर भी परीक्षण किया जाएगा। इससे मनुष्यों पर क्लीनिकल ट्रायल से पहले ही इस बात को लेकर सुनिश्चित हुआ जा सकेगा कि दवा सुरक्षित एवं प्रभावी है। प्री- क्लीनिकल ट्रायल जानवरों पर किया जाता है। इस प्रक्रिया से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि विभिन्न सर्जरी से पहले मरीजों व उनके स्वजन की सहमति से खून व टिश्यू आदि के सैंपल लिए जाते हैं। इन्हीं सैंपल के माध्यम से प्रयोगशाला में मानव टिश्यू एवं अंग विकसित किए जाते हैं। जैविक दृष्टि से इनमें असली मानव अंगों जैसी ही खुबियां होती हैं। ऐसे में मनुष्यों तक बढ़ पर परीक्षण से पहले प्री-क्लीनिकल ट्रायल के दौरान प्रयोगशाला में तैयार ये टिश्यू और अंग बहुत बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इन पर परीक्षण करने से क्लीनिकल ट्रायल के दौरान शामिल होने वालों पर खतरा बहुत कम हो जाएगा। इन मानव टिश्यू एवं अंगों पर प्री-क्लीनिकल ट्रायल से नई दवाओं की खोज को भी गति मिलेगी। किसी अन्य देश में परीक्षण में कारगर पाई गई दवा हमारे देश के लोगों पर कितनी प्रभावी है, इसे जांचने में भी यह प्रक्रिया बहुत काम आएगी और सहायक सिद्ध होगी। हाल ही में अमेरिका ने दी है मंजूरी: इसी साल सितंबर में अमेरिका में दवा कंपनियों को प्रयोगशाला में विकसित मानव टिश्यू एवं अंगों आदि पर परीक्षण की अनुमति दी गई है। इसके लिए वहां एफडीए आधुनिकीकरण विधेयक लाया गया था। भारत में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से मंजूरी मिलने और अधिसूचना जारी होने के बाद भारत ऐसा करने वाला दूसरा देश बन जाएगा। – **संदीप, मो॰ 9997709735, रूड़की.**

जेबी फार्मा ग्लेनमार्क कार्डियक ब्रांड को ₹314 करोड़ में खरीदेगी

मुंबई:- प्राप्त समाचार के अनुसार मुंबई स्थित जेबी फार्मा ने भारत और नेपाल में अपने कार्डियक ब्रांड रेजेल (रोसुवास्टेटिन और संयोजन) को 314 करोड़ रुपये में हासिल करने के लिए ग्लेनमार्क के साथ एक समझौता किया है. कंपनी ने कहा कि इस अधिग्रहण के साथ, जेबी फार्मा अपने कार्डियक पोर्टफोलियो को पूरा कर लेगी, जिससे यह इस सेगमेंट में अग्रणी बन जाएगी, क्योंकि रेजेल देश में रोसुवास्टेटिन अणु श्रेणी में शीर्ष 10 ब्रांडों में शुमार है. IQVIA MAT अक्टूबर 2022 के आंकड़ों के अनुसार, ये ब्रांड 2,444 करोड़ रुपये के कुल कवर किए गए बाजार आकार के साथ भारत और नेपाल में कार्डियक सेगमेंट पर केंद्रित हैं. अधिग्रहण पर टिप्पणी करते हुए, जेबी फार्मा के सीईओ और पूर्णकालिक निदेशक निखिल चोपड़ा ने कहा, ''हमें रजेल (रोसुवास्टैटिन और संयोजन) फ्रेंचाइजी के अधिग्रहण की घोषणा करने में प्रसन्नता हो रही है, जिससे जेबी का स्टैटिन में विस्तार हुआ है, जो कार्डियोलॉजी में सबसे बड़ा चिकित्सीय खंड है. इस जोड़ के साथ, अब हमने उच्च रक्तचाप और दिल की विफलता में अग्रणी होने के अलावा स्टैटिन में एक मजबूत स्थिति स्थापित की है - कार्डियोलॉजी में सबसे तेजी से बढ़ते चिकित्सीय संकेत." उन्होंने कहा, ''हम अधिग्रहीत ब्रांडों से अच्छी वृद्धि की संभावना देखते हैं. यह अधिग्रहण हमें इस सेगमेंट के लिए केंद्रित हमारे मौजूदा गो-टू-मार्केट मॉडल का लाभ उठाने में मदद करेगा और हमारे पुराने पोर्टफोलियो को और मजबूत करेगा. विनियामक फाइलिंग में कहा गया है, ''विनिवेश ग्लेनमार्क की कार्डियोवास्कुलर सेगमेंट की अन्य उपश्रेणियों पर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति के अनुरूप है.

शीतकालीन अवकाश

प्राप्त जानकारी के अनुसार आगरा फार्मा एसोसिएशन के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक अध्यक्ष ओमप्रकाश और महामंत्री महेश अग्रवाल के नेतृत्व में शंकर रिसोर्ट फतेहाबाद रोड पर की गई. मीडिया प्रभारी सुंदरलाल चेतवानी जी ने बताया कि सर्व सहमति से 31 दिसंबर व 1 जनवरी को 2 दिन का शीतक. ालीन अवकाश का निर्णय लिया गया है. सभी रिटेल दवा व्यापारियों से आह्वान किया गया. कि 2 दिन की बंदी के कारण अपने यहां स्टोर को मैनेज करके चले, जिससे किसी भी मरीज को दवा मिलने में परेशानी न हो.

– **सुंदरलाल चेतवानी, मो॰ 9456802863, आगरा**

सम्पादक की कलम से.....

प्रिय सम्पादकों,

इतिहास गवाह है कि "प्रैस" चाहे वो प्रिंट मीडिया हो या फिर इलैक्ट्रॉनिक मीडिया, हमेशा से ही उसने लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की जिम्मेदारी बखुबी निभाई है. समाचार पत्र केवल पाठकों के लिये केवल समाचार पढ़ने का माध्यम ही नहीं है अपितु समय-समय पर आवश्यकता अनुसार पाठकों के हित की लड़ाई के लिये संघर्ष किया है. समाचार पत्र की इसी उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए हम अपने समाचार पत्रों (मैडीकल दर्पण, फार्मा न्यूज, फार्मा दर्पण) में **"मुझे शिकायत है"** कॉलम की शुरूआत करने जा रहे हैं. जिसमें आप फार्मा क्षेत्र व मैडीकल व्यवसाय से जुड़ी किसी भी प्रकार की चाहे वो व्यक्ति विशेष, डॉक्टर, क्लीनिक, पैथोलॉजी लैब, दवा निर्माता, डिस्ट्रीब्यूटर्स, सरकारी अथवा गैर सरकारी, अस्पताल की कोई भी समस्या क्यों न हो प्रकाशित कराकर अपनी बात लाखों लोगों तक पहुँचा सकते हैं. बहुत हद तक सम्भव है कि आपकी परेशानी व असुविधा सम्बन्धित लोगों तक पहुँचे और स्वत: ही उसका निवारण हो जाये. अत: आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त कॉलम में बैझिझक अपनी समस्या प्रकाशित कराकर इस सुविधा का लाभ उठायें. इस कार्य के लिये आप हमारे मो॰ 9410434811 या फिर E- mail :medical-darpan123@gmail.com, pharmanews.bsr@gmail.com, pharmadarpan@gmail.com अथवा **Whatsapp** (9410434811) पर भी सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं.

बैठक सम्पन्न

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुरादाबाद रिटेलर्स केमिस्ट एसोसिएशन की बैठक में अध्यक्ष आलोक अग्रवाल ने दवाइयों के कार्य से संबंधित समस्याओं पर चर्चा की उन्होंने सभी सदस्यों से कहा कि इस महान जिन सदस्यों के लाइसेंस रिन्यू होने हैं जल्दी लाइसेंस रिन्यू करायें साथ ही ऑनलाइन दवा बिक्री पर आपत्ति जताई. उन्होंने कहा कि इससे आठ लाख केमिस्ट बंधुओं के व्यवसाय पर काफी असर पड़ा है. विभाग की ओर से ऑनलाइन दवा की गुणवत्ता की भी जांच होनी चाहिए जिससे उपभोक्ताओं को सही दवा मिल सके इस दौरान सभी रिटेल केमिस्ट सदस्य व रिटेलर्स बंधु मौजूद रहे.

–**आलोक अग्रवाल, मुरादाबाद मो. 9897069577**

समय मुफ्त में मिलता है, परंतु यह अनमोल है।
आप इसे अपना नहीं सकते, लेकिन आप इसका उपयोग कर सकते हैं।
आप इसे रख नहीं सकते, पर आप इसे खर्च कर सकते हैं।
एक बार आपने इसे खो दिया, तो वापस कभी इसे पा नहीं पाएंगे!

निकुँज स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित तथा मुद्रित: कला ज्योति प्रैस ग्रेटर नोएडा के लिये इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एण्ड पैकिंग लिमिटिड नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी0एन0 मैडीकल कॉम्प्लैक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग